ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
क्षेत्रीये अनुसंधान केन्द्र (बिरसा कृषि विश्वाविद्यालय) दुमका,झारखण्ड
(www.bauranchi.org /www.bau-eagriculture.com)

BAU — मौसम खेती परामर्श बुलेटीन, जिला- दुमका — IMD

Ref:... 42/AAS/Dumka, Jharkhand
Dated: 19.09.2017
Mobile No: 09661143150
(amfudumka@gmail.com)

बिरसा कृषि विश्वाविद्यालय के अन्तर्गत छेत्रीय अनुसंधान केन्द्र,दुमका को भारतीय मौसम विभाग राँची, भारत सरकार के पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय से प्राप्त अगले पाँच दिनो का मौसम पूर्वानुमान |

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान

मौसम इकाई	दिनांक				
	20 सितम्बर	21 सितम्बर	22 सितम्बर	23 सितम्बर	24 सितम्बर
वर्षापात(मिलीमीटर)	20	15	12	10	8
अधिकतम तापमान(°c)	30	31	31	33	33
न्यूनतम तापमान (°c)	25	25	25	25	25
आकाश में बादल की स्थिति	बादल छाये रहेंगे	घने बादल छाये रहेंगे	बादल छाये रहेंगे	बादल छाये रहेंगे	बादल छाये रहेंगे
अधिकतम सपेक्षितआर्द्रता(%)	93	94	95	94	96
न्यूनतम सपेक्षितआर्द्रता(%)	65	69	65	62	59
हवा की गति(कि.मी/ घंटा)	8	8	9	7	6
हवा की दिशा	दक्षिण -पुरब	दक्षिण-पुरब	दक्षिण--पुरब	दक्षिण--पुरब	दक्षिण

फसल की अवस्था :-

फसल	अवस्था	फसल	अवस्था
धान	बलियाँ आने से लेकर गभा की अवस्था	अरहर एवं कुल्थी	शाकीये अवस्था
मक्का	दुग्ध अवस्था से लेकर परिपक्व की अवस्था	सोयाबीन ,मुँगफली ,कुदरूम,उरद , एवं तील	शाकीये से लेकर पुष्प अवस्था
शकरकंद	कन्द विकास कीअवस्था	भिन्डी और लतरने वाले सब्जी	शाकीये अवस्था से लेकर कटनी अवस्था
ओल ,अदरक एवं हल्दी	कन्द एवं तना विकास की अवस्था	आम ,लीची ,अमरूद, केला और पापीता	रोपाई
टमाटर ,पत्तागोभी एवं फूलगोभी	बीजस्थली में बोआई एवं रोपाई	आलू ,मटर ,फेंचबीन एवं सरगुजा	बोआई

मौसम पूर्वानुमान पर अधारित कृषि सलाह - अगले पाँच दिनो के मौसम पूर्वानुमान के अनुसार हल्की वर्षा से लेकर मध्यम वर्षा होने की सम्भावना है किसान मध्यम एवं निचो जमीन में लगे धान की खेत से बहते हुए पानी की मेड़बन्दी कर रोक ले, फसल की निकाई -गोड़ाई कर रसायनिक खाद का भुरकाव करे , कीटनाशी एवं फाफुँदनाशी का आकाश साफ रहने रहने पर छिड़काव करे | उपरी जमीन की जोताई कर टमाटर,बैगन ,पत्तागोभी एवं फूलगोभी , आलू एवं मटर की रोपाई करें | रोपाई के पश्चात बीज एवं पौधा गलन से बचाव हेतु जल निकासी का उचित प्रावन्ध करें|

धान	1) गोलमिडज से बचाव हेतु फोरेट 10 जी दाने दार किटनाशक 10 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर के दर से भुरकाव करें	2) तना छेदक कीट एवं साँढ़ा कीट से बचाव हेतु मोनोक्रोटोफॉस 36 ई सी, 1.5 मिली लीटर प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करे। 3)कवक जनित झोंका तथा भूरा चिति रोग से नियंत्रण हेतु कार्वेन्डाजिम 1 ग्राम या ट्राइसायक्लाजोल 0.06 ग्राम प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करे। 4)पत्रावरण अंगमारी रोग एवं जीवाणु जनित रोग से नियंत्रण हेतु खेत से जल निकासी का उचित प्रवन्ध करें तथा पोटाश की अतिरिक्त मात्रा 30 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर के दर से भुरकाव करें एवं नत्रजन की बची मात्रा विलम्ब से डालें। रोग से नियंत्रण हेतु हेक्साकोनाजोल (कोन्टाफ) 2 ग्राम या बैलिडामाइसिन 2.5 मिली लैटर प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।
मक्का	पके फसल में नमी 30 प्रतिशत से कम रहने पर फसल की कटनी करें, अच्छी तरह सुखाने के बाद मेज सेलर से दाने निकालकर , 8 से 10 प्रतिशत नमी रहने पर भंडारण करें	
तोरिया एवं राई	तोरिया टी.9,बी.आर-23, पी.टी.-303,पंचाली और राई के उन्नत प्रभेद-शिवानी , पूसा बोल्ड, कान्ति ,वरदान की बोआई एकल फसल के रूप मे करे। खेत तैयार कर कतार से कतार 30 सेन्टीमीटर खोलकर तोरिया के लिए रसायनिक खाद यूरिया की आधी मात्रा 20 किलोग्राम, सिंगल सुपर फॉसफेट 62 किलोग्राम एवं म्यूरिएट ऑफ पोटाश 18 किलोग्राम और फॉसफोजिप्सम 53 किलोग्राम और राई के लिए रसायनिक खाद यूरिया की आधी मात्रा 35 किलोग्राम, सिंगल सुपर फॉसफेट 150 किलोग्राम एवं म्यूरिएट ऑफ पोटाश 27 किलोग्राम और फॉसफोजिप्सम 53 किलोग्राम प्रति एकड़ के दर से डालकर एवं बीज से बीज की दूरी 10 सेन्टीमीटर रखकर 2 किलोग्राम बीज प्रति एकड़ के दर से बुआई करें ।
अरहर	दुसरी निकाई - गुड़ाई 40 से 45 दिनों में करें । पत्तियो खाने वाले कीट से बचाव हेतु मोनोक्रोटोफॉस 36 ई सी, 1 मिली लैटर और टीपोल 0. 5 मिली लैटर का प्रति लीटर पानी में मिश्रण बनाकर छिड़काव करे।	
सरगुजा	उँची जमीन की दो से तीन जुताई करने के पश्चात इसके उन्नत प्रभेद- बिरसा नाईजर -1 या बी. एन.- 2 की बुआई करें। बुआई के लिए कतार से कतार 30 सेंटीमीटर खोलकर यूरिया 10 किलोग्राम, डी.ए.पी 18 किलोग्राम,म्यूरिएट ऑफ पोटाश 14 किलोग्राम एवं लिण्डन धुल 10 किलोग्राम प्रति एकड़ के दर से डालकर एवं 2 से 2.5 किलोग्राम बीज को कैप्टन को 3 ग्राम प्रति किलोग्राम के दर से बीजोपचार कर बीज से बीज की दूरी 10 से 15 सेन्टीमीटर रख कर बुआई करें।	
उड़द , बरवटी एवं कुल्थी	1)भुआ पिल्लू से नियंत्रण हेतु नवजात शिशु के झुण्ड को प्रारंभिक अवस्था में कीट द्वारा ग्रसित पत्तियों को एकत्रित कर मिट्टी में दवा दें एवं क्विनालफॉस 1.0 मिलीलीटर या डाईक्लोरोफॉस 0.5मिलीलीटर प्रति लीटर पानी के दर से घोल बनाकर एवं घोल मे टिपोल 0.5मिलीलीटर प्रति लीटर के दर से मिलाकर छिड़काव करें।2)रस चुसक कीट -सफेद मक्खी थ्रीपस तथा माहू कीट जो पीला शिरा विषाणु रोग को फैलाती हैं अत: थ्रीपस से बचाव के लिए 50प्रतिशित ट्राइजोफॉस दवा फसल में फूल आने के समय छिड़काव करें। सफेद मक्खी से बचाव के लिए ग्रसित पीला पौधे को उखाडकर नष्ट कर दें तथा 15दिन के अन्तराल पर आक्सीमिथाइलडेमाटोन दवा 1.0 मिलीलीटरप्रति लीटर के दर से मिलाकर छिड़काव करें ।	
टमाटर पत्तागोभी फूलगोभी	1)**टमाटर** के उन्नत प्रभेद- स्वर्ण समपदा, स्वर्ण समृद्धि ,पूसा हाइबिड -1, सुरक्षा (संकर) तथा स्वर्ण लालिमा,अरका आभा,बी.टी -2 । 2)**पत्तागोभी** के उन्नत प्रभेद-गोल्डन एकर , प्राइड ऑफ इंडिया और अर्ली ड्रमहेड । 3)**फूलगोभी** के उन्नत प्रभेद -पुसा दीपावली , पटना अर्ली , हाजीपुर एक्स्ट्रा अर्ली , पूसा केतकी, अर्ली सिंथेटिक,पुसा हिमज्योति, पन्त शुभ्रभा आदि में से किसी एक का बिचड़ा नेट शेड में ऊँची बीजस्थली बनकर उगायें । बीज डालने से पहले बीज को कार्वेन्डाजिम 2 ग्राम या ट्राईकोग्रामा 5 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज के दर से उपचारित कर बुआई करें। रोपाई के लिए जोताई करते समय अनुसंशित मात्रा में सड़ी गोबर खाद 25 टन, यूरिया की आधी मात्रा 130 किलोग्राम, सिंगल सुपर फॉसफेट 375 किलोग्राम,म्यूरिएट ऑफ पोटाश 100 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर के दर से डालकर आगात प्रभेद के लिए कतार मए कतार 60 सेन्टीमिटर और पौधा से पौधा 30 (संकर एवम पिछात प्रभेद के लिए 60 सेन्टीमिटर और पौधा से पौधा 45 सेन्टीमिटर) पर रोपाई करें		
सब्जी मटर	उन्नत प्रभेद -आर्केल , काशी नन्दिनी , पी.एम-113 , पुसा प्रगति एवं अजाद पी - 1 की बुआई करें। 40 किलोग्राम प्रति एकड़ के दर से बीज लेकर बुआई के लिए अनुसंशित मात्रा में सड़ी गोबर खाद 10 टन, यूरिया 30 किलोग्राम, सिंगल सुपर फॉसफेट 200 किलोग्राम,म्यूरिएट ऑफ पोटाश 26 किलोग्राम एवं बीज को कैप्टान या थिरम 2 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज के दर से उपचरित करने के पश्चात जीवाणु खाद उपचरित कर कतार से कतार 30 से 45 सेंटीमीटर खोलकर तथा बीज से बीज की दूरी 10 सेन्टीमीटर रख कर बुआई करें।	
आलू	उन्नत एवं अगात प्रभेद-कुफरी अशोका , कुफरी पुखराज , कुफरी सूर्या , कुफरी पुखर इत्यादि की बुआई करे। खेत तैयारकर 25 से 30 ग्राम आकार का स्वस्थ अंकुरित कन्द बुवाई के लिए चयन करें।बुआई के लिए 25 से 30 क्विंटल बीज प्रति हेक्टेयर के दर से लेकर बुवाई से पहले बीज को कार्वेडाजिम या मैनकोजेब या रेडोमिल एम.जेड.1.5 से 2 ग्राम प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर आधे घंटा उपचारित कर बुआई करें ।खेत तैयार करते समय 40 टन प्रति हेक्टेयर के दर से गोबर खाद डालकर अंतिम जुताई कर पाटा चला दें। अधिक उत्पादन हेतु कतार से कतार 50 सेन्टीमिटर एवं पौधा से पौधा 15 से 20 खोलकर यूरिया की आधी मात्रा 96 किलोग्राम, सिंगल सुपर फॉसफेट 174 किलोग्राम,म्यूरिएट ऑफ पोटाश 200 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर के दर से एवं 24 किलोग्राम सल्फर प्रति हेक्टेयर के दर से डालकर बोआई करे ।	
पपीता	रिंग स्पाट वायरस तथा मौजेक वायरस से बचाव के लिए बीज को सितम्बर माह में नर्सरी में लगायें और अक्टूबर-नवम्बर में रोपाई करें। इसके उन्नत किस्में पुसा डवार्फ या हनीडियू की रोपाई करे , रोपाई के लिए पौधो से पौधो के बीच की दुरी 1.8 फीट रखकर 60(लम्बाई) ×60(चौड़ाई) ×60 सेन्टीमिटर(गहरा) गड्ढा खोदें	गड्ढा में खाद की मात्रा - साड़ी गोबर की खाद 7 किलोग्राम,करंज य नीम खाली 1 किलोग्राम ,डी.ए.पी. 1.5 किलोग्राम ,म्यूरिएट ऑफ पोटाश 500 ग्राम एवं मिथाईलपारथियन धुल 50 ग्राम खोदे हुए मिट्टी में मिलाकर भर दे तथा 15 दिनों बाद रोपाई करें		
मत्सया पालन	जीरा संचय के बाद प्रति माह 4 क्विनटल गोबर खाद ,8 किलोग्राम डी. ए. पी.और 50 किलोग्राम चुना प्रति माह प्रति एकड़ के दर डाले और कृत्रिम भोजन (सरसों खली एवं चावल का कुण्डा बराबर मात्रा मे) 3-5 किलोग्राम प्रति दिन प्रति एकड़ के दर 4 से 6 माह भुरकाव करें	तलाब के पानी के रंग पर नजर रखे ,तादि पानी का रंग हरा हो गया हो तो खाद या पुरक आहार देना बन्द कर दे पुना पानी साफ होने पर अहार दे		
अन्य	अधिक वर्षा जल का डोभा एवं तलाब मे संचय करे तथा मौसम की प्रतिकुल स्थिति में फसल में उपयोग करे	आर्द्रता के बढने से भण्डार गृह में कीटो का प्रकोप बढ जाता है अतः बचाव हेतु साल्फोस का टिकीया वर्तन में रखकर भण्डार गृह को बन्द रखें		

(राजू लिन्डा)
कनीय वैज्ञानिक,
मौसम खेती परामर्श सेवा |

(डॉ. ए. वदूद)
नोडल आफिसर
मौसम खेती परामर्श सेवा |

(डॉ वी.के. भगत)
सह - निदेशक,
क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र दुमका

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

क्षेत्रीये अनुसंधान केन्द्र (बिरसा कृषि विश्वाविद्यालय) दुमका,झारखण्ड

(www.bauranchi.org /www.bau-eagriculture.com)

BAU | मौसम खेती परामर्श बुलेटीन, जिला- देवघर | IMD

Ref:... 42/AAS/Dumka, Jharkhand — Mobile No: 09661143150

Dated: 19.09.2017 — (amfudumka@gmail.com)

बिरसा कृषि विश्वाविद्यालय के अन्तर्गत छेत्रीय अनुसंधान केन्द,दुमका को भारतीय मौसम विभाग राँची, भारत सरकार के पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय से प्राप्त अगले पाँच दिनो का मौसम पूर्वानुमान |

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान

मौसम इकाई	दिनांक				
	20 सितम्बर	21 सितम्बर	22 सितम्बर	23 सितम्बर	24 सितम्बर
वर्षापात (मिलीमीटर)	20	15	12	10	8
अधिकतम तापमान (°c)	30	31	31	33	33
न्यूनतम तापमान (°c)	25	25	25	25	25
आकाश में बादल की स्थिति	बादल छाये रहेंगे	घने बादल छाये रहेंगे	बादल छाये रहेंगे	बादल छाये रहेंगे	बादल छाये रहेंगे
अधिकतम सपेक्षितआर्द्रता (%)	93	93	94	91	87
न्यूनतम सपेक्षितआर्द्रता (%)	66	72	66	63	59
हवा की गति (कि.मी/ घंटा)	7	7	9	7	6
हवा की दिशा	दक्षिण -पुरब	दक्षिण-पुरब	दक्षिण--पुरब	दक्षिण	दक्षिण

फसल की अवस्था:-

फसल	अवस्था	फसल	अवस्था
धान	बालियाँ आने से लेकर गभा की अवस्था	अरहर एवं कुल्थी	शाकीये अवस्था
मक्का	दुग्ध अवस्था से लेकर परिपक्व की अवस्था	सोयाबीन ,मुँगफली ,कुदरूम,उरद , एवं तील	शाकीये से लेकर पुष्प अवस्था
शकरकंद	कन्द विकास कीअवस्था	भिन्डी और लतरने वाले सब्जी	शाकीये अवस्था से लेकर कटनी अवस्था
ओल ,अदरक एवं हल्दी	कन्द एवं तना विकास की अवस्था	आम ,लीची ,अमरूद, केला और पापीता	रोपाई
टमाटर ,पत्तागोभी एवं फूलगोभी	बीजस्थली में बोआई एवं रोपाई	आलू ,मटर ,फेंचबीन एवं सरगुजा	बोआई

मौसम पूर्वानुमान पर अधारित कृषि सलाह - अगले पाँच दिनो के मौसम पूर्वानुमान के अनुसार हल्की वर्षा से लेकर मध्यम वर्षा होने की सम्भावना है किसान मध्यम एवं निची जमीन में लगे धान की खेत से बहते हुए पानी की मेड़बन्दी कर रोक ले, फसल की निकाई -गोड़ाई कर रसायनिक खाद का भुरकाव करे , कीटनाशी एवं फाफुँदनाशी का आकाश साफ रहने रहने पर छिड़काव करे | उपरी जमीन की जोताई कर टमाटर,बैगन ,पत्तागोभी एवं फूलगोभी , आलू एवं मटर की रोपाई करें | रोपाई के पश्चात बीज एवं पौधा गलन से वचाव हेतु जल निकासी का उचित प्रावन्ध करें|

धान	1) गोलमिडज से बचाव हेतु फोरेट 10 जी दाने दार किटनाशक 10 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर के दर से भुरकाव करें	2) तना छेदक कीट एवं सॉढ़ा कीट से बचाव हेतु मोनोकोटोफॉस 36 ई सी, 1.5 मिली लेटर प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करे। 3)कवक जनित झोंका तथा भूरा चिति रोग से नियंत्रण हेतु कार्बेन्डाजिम 1 ग्राम या ट्राइसायक्लाजोल 0.06 ग्राम प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करे। 4)पत्रावरण अंगमारी रोग एवं जीवाणु जनित रोग से नियंत्रण हेतु खेत से जल निकासी का उचित प्रवन्ध करें तथा पोटाश की अतिरिक्त मात्रा 30 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर के दर से भुरकाव करें एवं नत्रजन की बची मात्रा विलम्ब से डालें। रोग से नियंत्रण हेतु हेक्साकोनाजोल (कोन्टाफ) 2 ग्राम या वैलिडामाइसिन 2.5 मिली लेटर प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।
मक्का	पके फसल में नमी 30 प्रतिशत से कम रहने पर फसल की कटनी करें, अच्छी तरह सुखाने के बाद मेज सेलर से दाने निकालकर , 8 से 10 प्रतिशत नमी रहने पर भंडारण करें	
तोरिया एवं राई	तोरिया टी.9,बी.आर-23, पी.टी.-303,पंचाली और राई के उन्नत प्रभेद-शिवानी , पूसा बोल्ड, क्रान्ति ,वरदान की बोआई एकल फसल के रूप मे करे। खेत तैयार कर कतार से कतार 30 सेंन्टीमीटर खोलकर तोरिया के लिए रसायनिक खाद यूरिया की आधी मात्रा 20 किलोग्राम, सिंगल सुपर फॉसफेट 62 किलोग्राम एवं म्यूरिएट ऑफ पोटाश 18 किलोग्राम और फॉसफोजिप्सम 53 किलोग्राम और राई के लिए रसायनिक खाद यूरिया की आधी मात्रा 35 किलोग्राम, सिंगल सुपर फॉसफेट 150 किलोग्राम एवं म्यूरिएट ऑफ पोटाश 27 किलोग्राम और फॉसफोजिप्सम 53 किलोग्राम प्रति एकड़ के दर से डालकर एवं बीज से बीज की दूरी 10 सेंन्टीमीटर रखकर 2 किलोग्राम बीज प्रति एकड़ के दर से बुआई करें ।
अरहर	दुसरी निकाई - गुड़ाई 40 से 45 दिनें में करें । पत्तियो खाने वाले कीट से बचाव हेतु मोनोकोटोफॉस 36 ई सी, 1 मिली लेटर और टीपोल 0. 5 मिली लेटर का प्रति लीटर पानी में मिश्रण बनाकर छिड़काव करे।
सरगुजा	उँची जमीन की दो से तीन जुताई करने के पश्चात्त इसके उन्नत प्रभेद- बिरसा नाईजर -1 या बी. एन.- 2 की बुआई करें। बुआई के लिए कतार से कतार 30 सेंटीमीटर खोलकर यूरिया 10 किलोग्राम, डी.ए.पी 18 किलोग्राम,म्यूरिएट ऑफ पोटाश 14 किलोग्राम एवं लिण्डन धुल 10 किलोग्राम प्रति एकड़ के दर से डालकर एवं 2 से 2.5 किलोग्राम बीज को कैप्टन को 3 ग्राम प्रति किलोग्राम के दर से बीजोपचार कर बीज से बीज की दूरी 10 से 15 सेंन्टीमीटर रख कर बुआई करें।
उड़द , बरबटी एवं कुल्थी	1)भुआ पिल्लू से नियंत्रण हेतु नवजात शिशु के झुण्ड को प्रारंभिक अवस्था में कीट द्वारा ग्रसित पत्तियों को एकात्रित कर मिट्टी में दबा दें एवं क्विनालफॉस 1.0 मिलीलीटर या डाईक्लोरोफॉस 0.5मिलीलीटर प्रति लीटर पानी के दर से घोल बनाकर एवं घोल मे टिपोल 0.5मिलीलीटर प्रति लीटर के दर से मिलाकर छिड़काव करें।2)रस चुसक कीट -सफेद मक्खी थीपस तथा माहू कीट जो पीला शिरा विषाणु रोग को फैलाती हैं अत: थ्रीपस से बचाव के लिए 50प्रतिशित ट्राइजोफॉस दवा फसल में फूल आने के समय छिड़काव करें। सफेद मक्खी से बचाव के लिए ग्रसित पीला पौधे को उखाडकर नष्ट कर दें तथा 15दिन के अन्तराल पर आक्सीमिथाइलडेमाटोन दवा 1.0 मिलीलीटरप्रति लीटर के दर से मिलाकर छिड़काव करें ।
टमाटर पत्तागोभी फूलगोभी	**1)टमाटर** के उन्नत प्रभेद- स्वर्ण समपदा, स्वर्ण समृद्धि ,पूसा हाइबिड -1, सुरक्षा (संकर) तथा स्वर्ण लालिमा,अरका आभा,बी.टी -2 । **2)पत्तागोभी** के उन्नत प्रभेद-गोल्डन एकर , प्राइड ऑफ इंडिया और अर्ली ड्रमहेड । **3)फूलगोभी** के उन्नत प्रभेद -पुसा दीपावली , पटना अर्ली , हाजीपुर एक्स्ट्रा अर्ली , पूसा केतकी, अर्ली सिंथेटिक,पुसा हिमज्योति, पन्त शुप्रभा आदि में से किसी एक का बिचड़ा नेट शेड में ऊँची बीजस्थली बनकर उगायें । बीज डालने से पहले बीज को कार्बेन्डाजिम 2 ग्राम या ट्राईकोग्रामा 5 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज के दर से उपचारित कर बुआई करें। रोपााई के लिए जोताई करते समय अनुसंशित मात्रा में सड़ी गोबर खाद 25 टन, यूरिया की आधी मात्रा 130 किलोग्राम, सिंगल सुपर फॉसफेट 375 किलोग्राम,म्यूरिएट ऑफ पोटाश 100 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर के दर से डालकर आगात प्रभेद के लिए कतार सए कतार 60 सेन्टीमिटर और पौधा से पौधा 30 (संकर एवम पिछात प्रभेद के लिए 60 सेन्टीमिटर और पौधा से पौधा 45 सेन्टीमिटर) पर रोपााई करें|
सब्जी मटर	उन्नत प्रभेद -आर्केल , काशी नन्दिनी , पी.एम-113 , पुसा प्रगति एवं अजाद पी - 1 की बुआई करें। 40 किलोग्राम प्रति एकड़ के दर से बीज लेकर बुआई के लिए अनुसंशित मात्रा में सड़ी गोबर खाद 10 टन, यूरिया 30 किलोग्राम, सिंगल सुपर फॉसफेट 200 किलोग्राम,म्यूरिएट ऑफ पोटाश 26 किालोग्राम एवं बीज को कैप्टान या थिरम 2 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज के दर से उपचरित करने के पश्चात जीवाणु खाद उपचरित कर कतार से कतार 30 से 45 सेंटीमीटर खोलकर तथा बीज से बीज की दूरी 10 सेंन्टीमीटर रख कर बुआई करें।
आलू	उन्नत एवं अगात प्रभेद-कुफरी अशोका , कुफरी पुखराज , कुफरी सूर्या , कुफरी पुस्कर इत्यादि की बुआई करे। खेत तैयारकर 25 से 30 ग्राम आकार का स्वस्थ अंकुरित कन्द बुवाई के लिए चयन करें।बुआई के लिए 25 से 30 क्विंटल बीज प्रति हेक्टेयर के दर से लेकर बुवाई से पहले बीज को कार्बेडाजिम या मैनकोजेब या रेडोमिल एम.जेड.1.5 से 2 ग्राम प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर आधे धंटा उपचारित कर बुआई करें ।खेत तैयार करते समय 40 टन प्रति हेक्टेयर के दर से गोबर खाद डालकर अंतिम जुताई कर पाटा चला दें। अधिक उत्त्पादन हेतु कतार से कतार 50 सेन्टीमिटर एवं पौधा से पौधा 15 से 20 खोलकर यूरिया की आधी मात्रा 96 किलोग्राम, सिंगल सुपर फॉसफेट 174 किलोग्राम,म्यूरिएट ऑफ पोटाश 200 किालोग्राम प्रति हेक्टेयर के दर से एवं 24 किलोग्राम सल्फर प्रति हेक्टेयर के दर से डालकर बोआई करे ।
पपीता	रिंग स्पाट वायरस तथा मौजेक वायरस से बचाव के लिए बीज को सितम्बर माह में नर्सरी में लगायें और अक्टूबर-नबम्बर में रोपाई करें। इसके उन्नत किस्में पुसा डवार्फ या हनीडियू की रोपाई करे , रोपाई के लिए पौधो से पौधो के बीच की दुरी 1.8 फीट रखकर 60(लम्बाई) ×60(चौड़ाई) ×60 सेन्टीमिटर(गहरा) गड़ढा खोदें |गड़ढा में खाद की मात्रा - साड़ी गोबर की खाद 7 किलोग्राम,करंज य नीम खाली 1 किलोग्राम ,डी.ए.पी. 1.5 किलोग्राम ,म्यूरिएट ऑफ पोटाश 500 ग्राम एवं मिथाईलपाराथियन धुल 50 ग्राम खोदे हुए मिट्टी में मिलाकर भर दे तथा 15 दिनों बाद रोपाई करें	
मत्सया पालन	जीरा संचय के बाद प्रति माह 4 क्विनटल गोबर खाद ,8 किलोग्राम डी. ए. पी.और 50 किलोग्राम चुना प्रति माह प्रति एकड़ के दर डाले और कृत्रिम भोजन (सरसों खली एवं चावल का कुण्डा बराबर मात्रा मे) 3-5 किलोग्राम प्रति दिन प्रति एकड़ के दर 4 से 6 माह भुरकाव करें| तलाव के पानी के रंग पर नजर रखे ,तादि पानी का रंग हरा हो गया हो तो खाद या पुरक अहार देना बन्द कर दे पुना पानी साफ होने पर अहार दे|
अन्य	अधिक वर्षा जल का डोभा एवं तलाब मे संचय करे तथा मौसम की प्रतिकुल स्थिति में फसल में उपयोग करे |आर्द्रता के बढने से भण्डार गृह में कीटो का प्रकोप बढ जाता है अतः बचाव हेतु साल्फोस का टिकीया बर्तन में रखकर भण्डार गृह को बन्द रखें	

(राजू लिन्डा) (डॉ. ए. वदूद) (डॉ बी.के. भगत)

BAU

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

क्षेत्रीये अनुसंधान केन्द्र (बिरसा कृषि विश्वविद्यालय) दुमका,झारखण्ड

(www.bauranchi.org /www.bau-eagriculture.com)

मौसम खेती परामर्श बुलेटीन, जिला-गिरिडीह

IMD

Ref:... 42/AAS/Dumka, Jharkhand
Dated: 19.09.2017

Mobile No: 09661143150
(amfudumka@gmail.com)

बिरसा कृषि विश्वविद्यालय के अन्तर्गत छेत्रीय अनुसंधान केन्द्र,दुमका को भारतीय मौसम विभाग राँची, भारत सरकार के पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय से प्राप्त अगले पाँच दिनो का मौसम पूर्वानुमान |

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान

मौसम इकाई	दिनांक				
	20 सितम्बर	21 सितम्बर	22 सितम्बर	23 सितम्बर	24 सितम्बर
वर्षापात (मिलीमीटर)	20	15	12	10	8
अधिकतम तापमान (°c)	30	31	31	33	33
न्यूनतम तापमान (°c)	25	25	25	25	25
आकाश में बादल की स्थिति	बादल छाये रहेंगे	घने बादल छाये रहेंगे	बादल छाये रहेंगे	बादल छाये रहेंगे	बादल छाये रहेंगे
अधिकतम सपेक्षितआर्द्रता (%)	93	91	91	88	86
न्यूनतम सपेक्षितआर्द्रता (%)	69	73	65	64	59
हवा की गति (कि.मी/ घंटा)	8	7	7	5	4
हवा की दिशा	पुरब	दक्षिण-पुरब	दक्षिण--पुरब	दक्षिण	दक्षिण

फसल की अवस्था:-

फसल	अवस्था	फसल	अवस्था
धान	बालियाँ आने से लेकर गभा की अवस्था	अरहर एवं कुल्थी	शाकीये अवस्था
मक्का	दुग्ध अवस्था से लेकर परिपक्व की अवस्था	सोयाबीन ,मुँगफली ,कुदरूम,उरद , एवं तील	शाकीये से लेकर पुष्प अवस्था
शकरकंद	कन्द विकास कीअवस्था	भिन्डी और लतरने वाले सब्जी	शाकीये अवस्था से लेकर कटनी अवस्था
ओल ,अदरक एवं हल्दी	कन्द एवं तना विकास की अवस्था	आम ,लीची ,अमरूद, केला और पापीता	रोपाई
टमाटर ,पत्तागोभी एवं फूलगोभी	बीजस्थली में बोआई एवं रोपाई	आलू ,मटर ,फेंचबीन एवं सरगुजा	बोआई

मौसम पूर्वानुमान पर अधारित कृषि सलाह - अगले पाँच दिनो के मौसम पूर्वानुमान के अनुसार हल्की वर्षा से लेकर मध्यम वर्षा होने की सम्भावना है किसान मध्यम एवं निची जमीन में लगे धान की खेत से बहते हुए पानी की मेड़बन्दी कर रोक ले, फसल की निकाई -गोड़ाई कर रसायनिक खाद का भुरकाव करे , कीटनाशी एवं फाफुँदनाशी का आकाश साफ रहने रहने पर छिड़काव करे | उपरी जमीन की जोताई कर टमाटर,बैगन ,पत्तागोभी एवं फूलगोभी , आलू एवं मटर की रोपाई करें | रोपाई के पश्चात बीज एवं पौधा गलन से वचाव हेतु जल निकासी का उचित प्रावन्ध करे|

धान	1) गोलमिडज से बचाव हेतु फोरेट 10 जी दाने दार किटनाशक 10 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर के दर से भुरकाव करें | 2) तना छेदक कीट एवं सॉढ़ा कीट से बचाव हेतु मोनोक्रोटोफॉस 36 ई सी, 1.5 मिली लीटर प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करे। 3)कवक जनित झोंका तथा भूरा चिति रोग से नियंत्रण हेतु कार्बेन्डाजिम 1 ग्राम या ट्राइसायक्लाजोल 0.06 ग्राम प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करे। 4)पत्रावरण अंगमारी रोग एवं जीवाणु जनित रोग से नियंत्रण हेतु खेत से जल निकासी का उचित प्रवन्ध करें तथा पोटाश की अतिरिक्त मात्रा 30 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर के दर से भुरकाव करें एवं नत्रजन की बची मात्रा विलम्ब से डालें। रोग से नियंत्रण हेतु हेक्साकोनाजोल (कोन्टाफ) 2 ग्राम या वैलिडामाइसिन 2.5 मिली लीटर प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।
मक्का	पके फसल में नमी 30 प्रतिशत से कम रहने पर फसल की कटनी करें, अच्छी तरह सुखाने के बाद मेज सेलर से दाने निकालकर , 8 से 10 प्रतिशत नमी रहने पर भंडारण करें |
तोरिया एवं राई	तोरिया टी.9,बी.आर-23, पी.टी.-303,पंचाली और राई के उन्नत प्रभेद-शिवानी , पूसा बोल्ड, क्रान्ति ,वरदान की बोआई एकल फसल के रूप मे करे। खेत तैयार कर कतार से कतार 30 सेंन्टीमीटर खोलकर तोरिया के लिए रसायनिक खाद यूरिया की आधी मात्रा 20 किलोग्राम, सिंगल सुपर फॉसफेट 62 किलोग्राम एवं म्यूरिएट ऑफ पोटाश 18 किलोग्राम और फॉसफोजिप्सम 53 किलोग्राम और राई के लिए रसायनिक खाद यूरिया की आधी मात्रा 35 किलोग्राम, सिंगल सुपर फॉसफेट 150 किलोग्राम एवं म्यूरिएट ऑफ पोटाश 27 किलोग्राम और फॉसफोजिप्सम 53 किलोग्राम प्रति एकड़ के दर से डालकर एवं बीज से बीज की दूरी 10 सेंन्टीमीटर रखकर 2 किलोग्राम बीज प्रति एकड़ के दर से बुआई करें ।
अरहर	दुसरी निकाई - गुड़ाई 40 से 45 दिनें में करें । पत्तियो खाने वाले कीट से बचाव हेतु मोनोक्रोटोफॉस 36 ई सी, 1 मिली लीटर और टीपोल 0. 5 मिली लीटर का प्रति लीटर पानी में मिश्रण बनाकर छिड़काव करे।
सरगुजा	उँची जमीन की दो से तीन जुताई करने के पश्चात्त इसके उन्नत प्रभेद- बिरसा नाईजर -1 या बी. एन.- 2 की बुआई करें। बुआई के लिए कतार से कतार 30 सेंटीमीटर खोलकर यूरिया 10 किलोग्राम, डी.ए.पी 18 किलोग्राम,म्यूरिएट ऑफ पोटाश 14 किलोग्राम एवं लिण्डन धुल 10 किलोग्राम प्रति एकड़ के दर से डालकर एवं 2 से 2.5 किलोग्राम बीज को कैप्टन को 3 ग्राम प्रति किलोग्राम के दर से बीजोपचार कर बीज से बीज की दूरी 10 से 15 सेंन्टीमीटर रख कर बुआई करें।
उड़द , बरबटी एवं कुल्थी	1)भुआ पिल्लू से नियंत्रण हेतु नवजात शिशु के झुण्ड को प्रारंभिक अवस्था में कीट द्वारा ग्रसित पत्तियों को एकात्रित कर मिट्टी में दवा दें एवं क्विनालफॉस 1.0 मिलीलीटर या डाईक्लोरोफॉस 0.5मिलीलीटर प्रति लीटर पानी के दर से घोल बनाकर एवं घोल मे टिपोल 0.5मिलीलीटर प्रति लीटर के दर से मिलाकर छिड़काव करें।2)रस चुसक कीट -सफेद मक्खी थीपस तथा माहू कीट जो पीला शिरा विषाणु रोग को फैलाती हैं अत: थीपस से बचाव के लिए 50प्रतिशित ट्राइजोफॉस दवा फसल में फूल आने के समय छिड़काव करें। सफेद मक्खी से बचाव के लिए ग्रसित पीला पौधे को उखाडकर नष्ट कर दें तथा 15दिन के अन्तराल पर आक्सीमिथाइलडेमाटोन दवा 1.0 मिलीलीटरप्रति लीटर के दर से मिलाकर छिड़काव करें ।
टमाटर पत्तागोभी फूलगोभी	1)**टमाटर** के उन्नत प्रभेद- स्वर्ण समपदा, स्वर्ण समृद्धि ,पूसा हाइब्रिड -1, सुरक्षा (संकर) तथा स्वर्ण लालिमा,अरका आभा,बी.टी -2 । 2)**पत्तागोभी** के उन्नत प्रभेद-गोल्डन एकर , प्राइड ऑफ इंडिया और अर्ली ड्रमहेड । 3)**फूलगोभी** के उन्नत प्रभेद -पुसा दीपावली , पटना अर्ली , हाजीपुर एक्स्ट्रा अर्ली , पूसा केतकी, अर्ली सिंथेटिक,पुसा हिमज्योति, पन्त शुप्रभा आदि में से किसी एक का बिचड़ा नेट शेड में ऊँची बीजस्थली बनकर उगायें । बीज डालने से पहले बीज को कार्बेन्डाजिम 2 ग्राम या ट्राईकोग्रामा 5 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज के दर से उपचारित कर बुआई करें। रोपाई के लिए जोताई करते समय अनुसंशित मात्रा में सड़ी गोबर खाद 25 टन, यूरिया की आधी मात्रा 130 किलोग्राम, सिंगल सुपर फॉसफेट 375 किलोग्राम,म्यूरिएट ऑफ पोटाश 100 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर के दर से डालकर आगात प्रभेद के लिए कतार सए कतार 60 सेन्टीमिटर और पौधा से पौधा 30 (संकर एवम पिछात प्रभेद के लिए 60 सेन्टीमिटर और पौधा से पौधा 45 सेन्टीमिटर) पर रोपाई करें|
सब्जी मटर	उन्नत प्रभेद -आर्केल , काशी नन्दिनी , पी.एम-113 , पुसा प्रगति एवं अजाद पी - 1 की बुआई करें। 40 किलोग्राम प्रति एकड़ के दर से बीज लेकर बुआई के लिए अनुसंशित मात्रा में सड़ी गोबर खाद 10 टन, यूरिया 30 किलोग्राम, सिंगल सुपर फॉसफेट 200 किलोग्राम,म्यूरिएट ऑफ पोटाश 26 किलोग्राम एवं बीज को कैप्टान या थिरम 2 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज के दर से उपचरित करने के पश्चात जीवाणु खाद उपचरित कर कतार से कतार 30 से 45 सेंटीमीटर खोलकर तथा बीज से बीज की दूरी 10 सेंन्टीमीटर रख कर बुआई करें।
आलू	उन्नत एवं अगात प्रभेद-कुफरी अशोका , कुफरी पुखराज , कुफरी सूर्या , कुफरी पुस्कर इत्त्यादि की बुआई करे। खेत तैयारकर 25 से 30 ग्राम आकार का स्वस्थ अंकुरित कन्द बुवाई के लिए चयन करें।बुआई के लिए 25 से 30 क्विंटल बीज प्रति हेक्टेयर के दर से लेकर बुवाई से पहले बीज को कार्बेडाजिम या मैनकोजेब या रेडोमिल एम.जेड.1.5 से 2 ग्राम प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर आधे धंटा उपचारित कर बुआई करें ।खेत तैयार करते समय 40 टन प्रति हेक्टेयर के दर से गोबर खाद डालकर अंतिम जुताई कर पाटा चला दें। अधिक उत्त्पादन हेतु कतार से कतार 50 सेन्टीमिटर एवं पौधा से पौधा 15 से 20 खोलकर यूरिया की आधी मात्रा 96 किलोग्राम, सिंगल सुपर फॉसफेट 174 किलोग्राम,म्यूरिएट ऑफ पोटाश 200 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर के दर से एवं 24 किलोग्राम सल्फर प्रति हेक्टेयर के दर से डालकर बोआई करे ।
पपीता	रिंग स्पाट वायरस तथा मौजेक वायरस से बचाव के लिए बीज को सितम्बर माह में नर्सरी में लगायें और अक्टूबर-नबम्बर में रोपाई करें। इसके उन्नत किस्में पुसा डवार्फ या हनीडियू की रोपाई करे , रोपाई के लिए पौधो से पौधो के बीच की दुरी 1.8 फीट रखकर 60 (लम्बाई) ×60 (चौड़ाई) ×60 सेन्टीमिटर (गहरा) गड्ढा खोदें |गड्ढा में खाद की मात्रा - साड़ी गोबर की खाद 7 किलोग्राम,करंज य नीम खाली 1 किलोग्राम ,डी.ए.पी. 1.5 किलोग्राम ,म्यूरिएट ऑफ पोटाश 500 ग्राम एवं मिथाईलपाराथियन धुल 50 ग्राम खोदे हुए मिट्टी में मिलाकर भर दे तथा 15 दिनों बाद रोपाई करें |
मत्सया पालन	जीरा संचय के बाद प्रति माह 4 क्विनटल गोबर खाद ,8 किलोग्राम डी. ए. पी.और 50 किलोग्राम चुना प्रति माह प्रति एकड़ के दर डाले और कृत्रिम भोजन (सरसों खली एवं चावल का कुण्डा बराबर मात्रा मे) 3-5 किलोग्राम प्रति दिन प्रति एकड़ के दर 4 से 6 माह भुरकाव करें| तलाब के पानी के रंग पर नजर रखे ,तादि पानी का रंग हरा हो गया हो तो खाद या पुरक अहार देना बन्द कर दे पुना पानी साफ होने पर अहार दे|
अन्य	अधिक वर्षा जल का डोभा एवं तलाब मे संचय करे तथा मौसम की प्रतिकुल स्थिति में फसल में उपयोग करे |आर्द्रता के बढने से भण्डार गृह में कीटो का प्रकोप बढ जाता है अतः बचाव हेतु साल्फोस का टिकीया बर्तन में रखकर भण्डार गृह को बन्द रखें |

(राजू लिन्डा)　　　　(डॉ. ए. वदूद)　　　　(डॉ बी.के. भगत)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

क्षेत्रीये अनुसंधान केन्द्र (बिरसा कृषि विश्वविद्यालय) दुमका,झारखण्ड

(www.bauranchi.org /www.bau-eagriculture.com)

BAU | मौसम खेती परामर्श बुलेटीन, जिला- धनबाद | IMD

Ref:... 42/AAS/Dumka, Jharkhand | Mobile No: 09661143150

Dated: 19.09.2017 | (amfudumka@gmail.com)

बिरसा कृषि विश्वविद्यालय के अन्तर्गत छेत्रीय अनुसंधान केन्द,दुमका को भारतीय मौसम विभाग राँची, भारत सरकार के पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय से प्राप्त अगले पाँच दिनो का मौसम पूर्वानुमान |

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान

मौसम इकाई	दिनांक				
	20 सितम्बर	21 सितम्बर	22 सितम्बर	23 सितम्बर	24 सितम्बर
वर्षापात (मिलीमीटर)	25	12	7	12	8
अधिकतम तापमान (°c)	33	32	34	34	35
न्यूनतम तापमान (°c)	23	23	23	23	24
आकाश में बादल की स्थिति	बादल छाये रहेंगे	घने बादल छाये रहेंगे	बादल छाये रहेंगे	बादल छाये रहेंगे	बादल छाये रहेंगे
अधिकतम सपेक्षितआर्द्रता (%)	93	94	95	95	91
न्यूनतम सपेक्षितआर्द्रता (%)	65	68	64	63	59
हवा की गति (कि.मी/ घंटा)	7	8	9	7	7
हवा की दिशा	दक्षिण -पुरब	दक्षिण-पुरब	दक्षिण-पुरब	दक्षिण-पुरब	दक्षिण

फसल की अवस्था:-

फसल	अवस्था	फसल	अवस्था
धान	बालियाँ आने से लेकर गभा की अवस्था	अरहर एवं कुल्थी	शाकीये अवस्था
मक्का	दुग्ध अवस्था से लेकर परिपक्व की अवस्था	सोयाबीन ,मुँगफली ,कुदरूम,उरद , एवं तील	शाकीये से लेकर पुष्प अवस्था
शकरकंद	कन्द विकास कीअवस्था	भिन्डी और लतरने वाले सब्जी	शाकीये अवस्था से लेकर कटनी अवस्था
ओल ,अदरक एवं हल्दी	कन्द एवं तना विकास की अवस्था	आम ,लीची ,अमरूद, केला और पापीता	रोपाई
टमाटर ,पत्तागोभी एवं फूलगोभी	बीजस्थली में बोआई एवं रोपाई	आलू ,मटर ,फ्रेंचबीन एवं सरगुजा	बोआई

मौसम पूर्वानुमान पर अधारित कृषि सलाह - अगले पाँच दिनो के मौसम पूर्वानुमान के अनुसार हल्की वर्षा से लेकर मध्यम वर्षा होने की सम्भावना है किसान मध्यम एवं निची जमीन में लगे धान की खेत से बहते हुए पानी की मेड़बन्दी कर रोक ले, फसल की निकाई -गोड़ाई कर रसायनिक खाद का भुरकाव करे , कीटनाशी एवं फाफुँदनाशी का आकाश साफ रहने रहने पर छिड़काव करे | उपरी जमीन की जोताई कर टमाटर,बैगन ,पत्तागोभी एवं फूलगोभी , आलू एवं मटर की रोपाई करें | रोपाई के पश्चात बीज एवं पौधा गलन से बचाव हेतु जल निकासी का उचित प्रावन्ध करें|

धान	1) गोलमिडज से बचाव हेतु फोरेट 10 जी दाने दार किटनाशक 10 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर के दर से भुरकाव करें | 2) तना छेदक कीट एवं सोंढ़ा कीट से बचाव हेतु मोनोकोटोफॉस 36 ई सी, 1.5 मिली लीटर प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करे। 3)कवक जनित झोंका तथा भूरा चिति रोग से नियंत्रण हेतु कार्बेन्डाजिम 1 ग्राम या ट्राइसायक्लाजोल 0.06 ग्राम प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करे। 4)पत्रावरण अंगमारी रोग एवं जीवाणु जनित रोग से नियंत्रण हेतु खेत से जल निकासी का उचित प्रवन्ध करें तथा पोटाश की अतिरिक्त मात्रा 30 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर के दर से भुरकाव करें एवं नत्रजन की बची मात्रा विलम्ब से डालें। रोग से नियंत्रण हेतु हेक्साकोनाजोल (कोन्टाफ) 2 ग्राम या वैलिडामाइसिन 2.5 मिली लीटर प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।
मक्का	पके फसल में नमी 30 प्रतिशत से कम रहने पर फसल की कटनी करें, अच्छी तरह सुखाने के बाद मेज सेलर से दाने निकालकर , 8 से 10 प्रतिशत नमी रहने पर भंडारण करें |
तोरिया एवं राई	तोरिया टी.9,बी.आर-23, पी.टी.-303,पंचाली और राई के उन्नत प्रभेद-शिवानी , पूसा बोल्ड, कान्ति ,वरदान की बोआई एकल फसल के रूप मे करे। खेत तैयार कर कतार से कतार 30 सेंन्टीमीटर खोलकर तोरिया के लिए रसायनिक खाद यूरिया की आधी मात्रा 20 किलोग्राम, सिंगल सुपर फॉसफेट 62 किलोग्राम एवं म्यूरिएट ऑफ पोटाश 18 किलोग्राम और फॉसफोजिप्सम 53 किलोग्राम और राई के लिए रसायनिक खाद यूरिया की आधी मात्रा 35 किलोग्राम, सिंगल सुपर फॉसफेट 150 किलोग्राम एवं म्यूरिएट ऑफ पोटाश 27 किलोग्राम और फॉसफोजिप्सम 53 किलोग्राम प्रति एकड़ के दर से डालकर एवं बीज से बीज की दूरी 10 सेंन्टीमीटर रखकर 2 किलोग्राम बीज प्रति एकड़ के दर से बुआई करें ।
अरहर	दुसरी निकाई - गुड़ाई 40 से 45 दिनें में करें । पत्तियो खाने वाले कीट से बचाव हेतु मोनोकोटोफॉस 36 ई सी, 1 मिली लीटर और टीपोल 0. 5 मिली लीटर का प्रति लीटर पानी में मिश्रण बनाकर छिड़काव करे।
सरगुजा	ऊँची जमीन की दो से तीन जुताई करने के पश्चात्त इसके उन्नत प्रभेद- बिरसा नाईजर -1 या बी. एन.- 2 की बुआई करें। बुआई के लिए कतार से कतार 30 सेंटीमीटर खोलकर यूरिया 10 किलोग्राम, डी.ए.पी 18 किलोग्राम,म्यूरिएट ऑफ पोटाश 14 किलोग्राम एवं लिण्डन धुल 10 किलोग्राम प्रति एकड़ के दर से डालकर एवं 2 से 2.5 किलोग्राम बीज को कैप्टन को 3 ग्राम प्रति किलोग्राम के दर से बीजोपचार कर बीज से बीज की दूरी 10 से 15 सेंन्टीमीटर रख कर बुआई करें।
उड़द , बरबटी एवं कुल्थी	1)भुआ पिल्लू से नियंत्रण हेतु नवजात शिशु के झुण्ड को प्रारंभिक अवस्था में कीट द्वारा ग्रसित पत्तियों को एकात्रित कर मिट्टी में दवा दें एवं क्विनालफॉस 1.0 मिलीलीटर या डाईक्लोरोफॉस 0.5मिलीलीटर प्रति लीटर पानी के दर से घोल बनाकर एवं घोल मे टिपोल 0.5मिलीलीटर प्रति लीटर के दर से मिलाकर छिड़काव करें।2)रस चुसक कीट -सफेद मक्खी थीपस तथा माहू कीट जो पीला शिरा विषाणु रोग को फैलाती हैं अत: थीपस से बचाव के लिए 50प्रतिशित ट्राइजोफॉस दवा फसल में फूल आने के समय छिड़काव करें। सफेद मक्खी से बचाव के लिए ग्रसित पीला पौधे को उखाड़कर नष्ट कर दें तथा 15दिन के अन्तराल पर आक्सीमिथाइलडेमाटोन दवा 1.0 मिलीलीटरप्रति लीटर के दर से मिलाकर छिड़काव करें ।
टमाटर पत्तागोभी फूलगोभी	1)**टमाटर** के उन्नत प्रभेद- स्वर्ण समपदा, स्वर्ण समृद्धि ,पूसा हाइबिड -1, सुरक्षा (संकर) तथा स्वर्ण लालिमा,अरका आभा,बी.टी -2 । 2)**पत्तागोभी** के उन्नत प्रभेद-गोल्डन एकर , प्राइड ऑफ इंडिया और अर्ली ड्रमहेड । 3)**फूलगोभी** के उन्नत प्रभेद -पुसा दीपावली , पटना अर्ली , हाजीपुर एक्स्ट्रा अर्ली , पूसा केतकी, अर्ली सिंथेटिक,पुसा हिमज्योति, पन्त शुप्रभा आदि में से किसी एक का बिचड़ा नेट शेड में ऊँची बीजस्थली बनकर उगायें । बीज डालने से पहले बीज को कार्वेन्डाजिम 2 ग्राम या ट्राईकोग्रामा 5 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज के दर से उपचारित कर बुआई करें। रोपाई के लिए जोताई करते समय अनुसंशित मात्रा में सड़ी गोवर खाद 25 टन, यूरिया की आधी मात्रा 130 किलोग्राम, सिंगल सुपर फॉसफेट 375 किलोग्राम,म्यूरिएट ऑफ पोटाश 100 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर के दर से डालकर आगात प्रभेद के लिए कतार सए कतार 60 सेन्टीमिटर और पौधा से पौधा 30 (संकर एवम पिछात प्रभेद के लिए 60 सेन्टीमिटर और पौधा से पौधा 45 सेन्टीमिटर) पर रोपाई करें|
सब्जी मटर	उन्नत प्रभेद -आर्केल , काशी नन्दिनी , पी.एम-113 , पुसा प्रगति एवं अजाद पी - 1 की बुआई करें। 40 किलोग्राम प्रति एकड़ के दर से बीज लेकर बुआई के लिए अनुसंशित मात्रा में सड़ी गोबर खाद 10 टन, यूरिया 30 किलोग्राम, सिंगल सुपर फॉसफेट 200 किलोग्राम,म्यूरिएट ऑफ पोटाश 26 किलोग्राम एवं बीज को कैप्टान या थिरम 2 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज के दर से उपचरित करने के पश्चात जीवाणु खाद उपचरित कर कतार से कतार 30 से 45 सेंटीमीटर खोलकर तथा बीज से बीज की दूरी 10 सेंन्टीमीटर रख कर बुआई करें।
आलू	उन्नत एवं अगात प्रभेद-कुफरी अशोका , कुफरी पुखराज , कुफरी सूर्या , कुफरी पुस्कर इत्यादि की बुआई करे। खेत तैयारकर 25 से 30 ग्राम आकार का स्वस्थ अंकुरित कन्द बुवाई के लिए चयन करें।बुआई के लिए 25 से 30 क्विंटल बीज प्रति हेक्टेयर के दर से लेकर बुवाई से पहले बीज को कार्वेडाजिम या मैनकोजेव या रेडोमिल एम.जेड.1.5 से 2 ग्राम प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर आधे धंटा उपचारित कर बुआई करें ।खेत तैयार करते समय 40 टन प्रति हेक्टेयर के दर से गोबर खाद डालकर अंतिम जुताई कर पाटा चला दें। अधिक उत्पादन हेतु कतार से कतार 50 सेन्टीमिटर एवं पौधा से पौधा 15 से 20 खोलकर यूरिया की आधी मात्रा 96 किलोग्राम, सिंगल सुपर फॉसफेट 174 किलोग्राम,म्यूरिएट ऑफ पोटाश 200 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर के दर से एवं 24 किलोग्राम सल्फर प्रति हेक्टेयर के दर से डालकर बोआई करे ।
पपीता	रिंग स्पाट वायरस तथा मौजेक वायरस से बचाव के लिए बीज को सितम्बर माह में नर्सरी में लगायें और अक्टूवर-नबम्बर में रोपाई करें। इसके उन्नत किस्में पुसा डवार्फ या हनीडियू की रोपाई करे , रोपाई के लिए पौधो से पौधो के बीच की दुरी 1.8 फीट रखकर 60(लम्बाई) ×60(चौड़ाई) ×60 सेन्टीमिटर(गहरा) गड्ढा खोदें |गड्ढा में खाद की मात्रा - साड़ी गोबर की खाद 7 किलोग्राम,करंज य नीम खाली 1 किलोग्राम ,डी.ए.पी. 1.5 किलोग्राम ,म्यूरिएट ऑफ पोटाश 500 ग्राम एवं मिथाईलपाराथियन धुल 50 ग्राम खोदे हुए मिट्टी में मिलाकर भर दे तथा 15 दिनों बाद रोपाई करें |
मत्सया पालन	जीरा संचय के बाद प्रति माह 4 क्विनटल गोबर खाद ,8 किलोग्राम डी. ए. पी.और 50 किलोग्राम चुना प्रति माह प्रति एकड़ के दर से डाले और कृत्रिम भोजन (सरसों खली एवं चावल का कुण्डा बराबर मात्रा मे) 3-5 किलोग्राम प्रति दिन प्रति एकड़ के दर 4 से 6 माह भुरकाव करें| तलाव के पानी के रंग पर नजर रखे ,तादि पानी का रंग हरा हो गया हो तो खाद या पुरक अहार देना वन्द कर दे पुना पानी साफ होने पर अहार दे|
अन्य	अधिक वर्षा जल का डोभा एवं तलाव मे संचय करे तथा मौसम की प्रतिकुल स्थिति में फसल में उपयोग करे |आर्द्रता के बढने से भण्डार गृह में कीटो का प्रकोप बढ जाता है अतः बचाव हेतु साल्फोस का टिकीया वर्तन में रखकर भण्डार गृह को वन्द रखें |

(राजू लिन्डा) | (डॉ. ए. वदूद) | (डॉ बी.के. भगत)

BAU

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

क्षेत्रीये अनुसंधान केन्द्र (बिरसा कृषि विश्वाविद्यालय) दुमका,झारखण्ड

(www.bauranchi.org /www.bau-eagriculture.com)

मौसम खेती परामर्श बुलेटीन, जिला- जामताड़ा

IMD

Ref:... 42/AAS/Dumka, Jharkhand
Mobile No: 09661143150
Dated: 19.09.2017
(amfudumka@gmail.com)

बिरसा कृषि विश्वाविद्यालय के अन्तर्गत छेत्रीय अनुसंधान केन्द,दुमका को भारतीय मौसम विभाग राँची, भारत सरकार के पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय से प्राप्त अगले पाँच दिनो का मौसम पूर्वानुमान |

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान

मौसम इकाई	दिनांक				
	20 सितम्बर	21 सितम्बर	22 सितम्बर	23 सितम्बर	24 सितम्बर
वर्षापात (मिलीमीटर)	15	10	12	8	4
अधिकतम तापमान (°c)	30	32	32	33	33
न्यूनतम तापमान (°c)	24	24	24	24	24
आकाश में बादल की स्थिति	बादल छाये रहेंगे	घने बादल छाये रहेंगे	बादल छाये रहेंगे	बादल छाये रहेंगे	बादल छाये रहेंगे
अधिकतम सपेक्षितआर्द्रता (%)	94	93	94	95	90
न्यूनतम सपेक्षितआर्द्रता (%)	66	69	65	64	59
हवा की गति (कि .मी/ घंटा)	7	7	8	6	6
हवा की दिशा	दक्षिण -पुरब	दक्षिण-पुरब	दक्षिण--पुरब	दक्षिण	दक्षिण

फसल की अवस्था :-

फसल	अवस्था	फसल	अवस्था
धान	बालियाँ आने से लेकर गभा की अवस्था	अरहर एवं कुल्थी	शाकीये अवस्था
मक्का	दुग्ध अवस्था से लेकर परिपक्व की अवस्था	सोयाबीन ,मुँगफली ,कुदरूम,उरद , एवं तील	शाकीये से लेकर पुष्प अवस्था
शकरकंद	कन्द विकास कीअवस्था	भिन्डी और लतरने वाले सब्जी	शाकीये अवस्था से लेकर कटनी अवस्था
ओल ,अदरक एवं हल्दी	कन्द एवं तना विकास की अवस्था	आम ,लीची ,अमरूद, केला और पापीता	रोपाई
टमाटर ,पत्तागोभी एवं फूलगोभी	बीजस्थली में बोआई एवं रोपाई	आलू ,मटर ,फेंचबीन एवं सरगुजा	बोआई

मौसम पूर्वानुमान पर अधारित कृषि सलाह - अगले पाँच दिनो के मौसम पूर्वानुमान के अनुसार हल्की वर्षा से लेकर मध्यम वर्षा होने की सम्भावना है किसान मध्यम एवं निची जमीन में लगे धान की खेत से बहते हुए पानी की मेड़बन्दी कर रोक ले, फसल की निकाई -गोड़ाई कर रसायनिक खाद का भुरकाव करे , कीटनाशी एवं फाफुँदनाशी का आकाश साफ रहने रहने पर छिड़काव करे | उपरी जमीन की जोताई कर टमाटर,बैगन ,पत्तागोभी एवं फूलगोभी , आलू एवं मटर की रोपाई करें | रोपाई के पश्चात बीज एवं पौधा गलन से वचाव हेतु जल निकासी का उचित प्राबन्ध करे|

धान	1) गोलमिडज से बचाव हेतु फोरेट 10 जी दाने दार किटनाशक 10 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर के दर से भुरकाव करें | 2) तना छेदक कीट एवं सॉढ़ा कीट से बचाव हेतु मोनोक्रोटोफॉस 36 ई सी, 1 .5 मिली लिटर प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करे। 3)कवक जनित झोंका तथा भूरा चिति रोग से नियंत्रण हेतु कार्वेन्डाजिम 1 ग्राम या ट्राइसायक्लाजोल 0 .06 ग्राम प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करे। 4)पत्रावरण अंगमारी रोग एवं जीवाणु जनित रोग से नियंत्रण हेतु खेत से जल निकासी का उचित प्रबन्ध करें तथा पोटाश की अतिरिक्त मात्रा 30 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर के दर से भुरकाव करें एवं नत्रजन की बची मात्रा विलम्ब से डालें। रोग से नियंत्रण हेतु हेक्साकोनाजोल (कोन्टाफ) 2 ग्राम या वैलिडामाइसिन 2 .5 मिली लिटर प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।
मक्का	पके फसल में नमी 30 प्रतिशत से कम रहने पर फसल की कटनी करें, अच्छी तरह सुखाने के बाद मेज सेलर से दाने निकालकर , 8 से 10 प्रतिशत नमी रहने पर भंडारण करें |
तोरिया एवं राई	तोरिया टी .9,बी . आर-23, पी .टी .-303,पंचाली और राई के उन्नत प्रभेद-शिवानी , पूसा बोल्ड, कान्ति ,वरदान की बोआई एकल फसल के रूप मे करे। खेत तैयार कर कतार से कतार 30 सेंन्टीमीटर खोलकर तोरिया के लिए रसायनिक खाद यूरिया की आधी मात्रा 20 किलोग्राम, सिंगल सुपर फॉसफेट 62 किलोग्राम एवं म्यूरिएट ऑफ पोटाश 18 किलोग्राम और फॉसफोजिप्सम 53 किलोग्राम और राई के लिए रसायनिक खाद यूरिया की आधी मात्रा 35 किलोग्राम, सिंगल सुपर फॉसफेट 150 किलोग्राम एवं म्यूरिएट ऑफ पोटाश 27 किलोग्राम और फॉसफोजिप्सम 53 किलोग्राम प्रति एकड़ के दर से डालकर एवं बीज से बीज की दूरी 10 सेंन्टीमीटर रखकर 2 किलोग्राम बीज प्रति एकड़ के दर से बुआई करें ।
अरहर	दुसरी निकाई - गुड़ाई 40 से 45 दिनों में करें । पत्तियो खाने वाले कीट से बचाव हेतु मोनोक्रोटोफॉस 36 ई सी, 1 मिली लिटर और टीपोल 0 . 5 मिली लिटर का प्रति लीटर पानी में मिश्रण बनाकर छिड़काव करे।
सरगुजा	उँची जमीन की दो से तीन जुताई करने के पश्चात्त इसके उन्नत प्रभेद- बिरसा नाईजर -1 या बी . एन .- 2 की बुआई करें। बुआई के लिए कतार से कतार 30 सेंटीमीटर खोलकर यूरिया 10 किलोग्राम, डी .ए .पी 18 किलोग्राम,म्यूरिएट ऑफ पोटाश 14 किलोग्राम एवं लिण्डन धुल 10 किलोग्राम प्रति एकड़ के दर से डालकर एवं 2 से 2 .5 किलोग्राम बीज को कैप्टन को 3 ग्राम प्रति किलोग्राम के दर से बीजोपचार कर बीज से बीज की दूरी 10 से 15 सेंन्टीमीटर रख कर बुआई करें।
उड़द , बरबटी एवं कुल्थी	1)भुआ पिल्लू से नियंत्रण हेतु नवजात शिशु के झुण्ड को प्रारंभिक अवस्था में कीट द्वारा ग्रसित पत्तियों को एकात्रित कर मिट्टी में दबा दें एवं क्विनालफॉस 1 .0 मिलीलीटर या डाईक्लोरोफॉस 0 .5मिलीलीटर प्रति लीटर पानी के दर से घोल बनाकर एवं घोल मे टिपोल 0 .5मिलीलीटर प्रति लीटर के दर से मिलाकर छिड़काव करें।**2)**रस चुसक कीट -सफेद मक्खी थ्रीपस तथा माहू कीट जो पीला शिरा विषाणु रोग को फैलाती हैं अत: थ्रीपस से बचाव के लिए 50प्रतिशित ट्राइजोफॉस दवा फसल में फूल आने के समय छिड़काव करें। सफेद मक्खी से बचाव के लिए ग्रसित पीला पौधे को उखाडकर नष्ट कर दें तथा 15दिन के अन्तराल पर आक्सीमिथाइलडेमाटोन दवा 1 .0 मिलीलीटरप्रति लीटर के दर से मिलाकर छिड़काव करें ।
टमाटर पत्तागोभी फूलगोभी	**1)टमाटर** के उन्नत प्रभेद- स्वर्ण समपदा, स्वर्ण समृद्वि ,पूसा हाइब्रिड -1, सुरक्षा (संकर) तथा स्वर्ण लालिमा,अरका आभा,बी .टी -2 । **2)पत्तागोभी** के उन्नत प्रभेद-गोल्डन एकर , प्राइड ऑफ इंडिया और अर्ली ड्रमहेड । **3)फूलगोभी** के उन्नत प्रभेद -पुसा दीपावली , पटना अर्ली , हाजीपुर एक्स्ट्रा अर्ली , पूसा केतकी, अर्ली सिंथेटिक,पुसा हिमज्योति, पन्त शुप्रभा आदि में से किसी एक का विचड़ा नेट शेड में ऊँची बीजस्थली बनकर उगायें । बीज डालने से पहले बीज को कार्बेन्डाजिम 2 ग्राम या ट्राईकोग्रामा 5 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज के दर से उपचारित कर बुआई करें। रोपााई के लिए जोताई करते समय अनुसंशित मात्रा में सड़ी गोबर खाद 25 टन, यूरिया की आधी मात्रा 130 किलोग्राम, सिंगल सुपर फॉसफेट 375 किलोग्राम,म्यूरिएट ऑफ पोटाश 100 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर के दर से डालकर आगात प्रभेद के लिए कतार सए कतार 60 सेन्टीमिटर और पौधा से पौधा 30 (संकर एवम पिछात प्रभेद के लिए 60 सेन्टीमिटर और पौधा से पौधा 45 सेन्टीमिटर) पर रोपााई करें|
सब्जी मटर	उन्नत प्रभेद -आर्केल , काशी नन्दिनी , पी .एम-113 , पुसा प्रगति एवं अजाद पी - 1 की बुआई करें। 40 किलोग्राम प्रति एकड़ के दर से बीज लेकर बुआई के लिए अनुसंशित मात्रा में सड़ी गोबर खाद 10 टन, यूरिया 30 किलोग्राम, सिंगल सुपर फॉसफेट 200 किलोग्राम,म्यूरिएट ऑफ पोटाश 26 किलोग्राम एवं बीज को कैप्टान या थिरम 2 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज के दर से उपचरित करने के पश्चात जीवाणु खाद उपचरित कर कतार से कतार 30 से 45 सेंटीमीटर खोलकर तथा बीज से बीज की दूरी 10 सेंन्टीमीटर रख कर बुआई करें।
आलू	उन्नत एवं अगात प्रभेद-कुफरी अशोका , कुफरी पुखराज , कुफरी सूर्या , कुफरी पुस्कर इत्यादि की बुआई करे। खेत तैयारकर 25 से 30 ग्राम आकार का स्वस्ध अंकुरित कन्द बुवाई के लिए चयन करें।बुआई के लिए 25 से 30 क्विंटल बीज प्रति हेक्टेयर के दर से लेकर बुवाई से पहले बीज को कार्बेडाजिम या मैनकोजेब या रेडोमिल एम .जेड .1 .5 से 2 ग्राम प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर आधे धंटा उपचारित कर बुआई करें ।खेत तैयार करते समय 40 टन प्रति हेक्टेयर के दर से गोबर खाद डालकर अंतिम जुताई कर पाटा चला दें। अधिक उत्त्पादन हेतु कतार से कतार 50 सेन्टीमिटर एवं पौधा से पौधा 15 से 20 खोलकर यूरिया की आधी मात्रा 96 किलोग्राम, सिंगल सुपर फॉसफेट 174 किलोग्राम,म्यूरिएट ऑफ पोटाश 200 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर के दर से एवं 24 किलोग्राम सल्फर प्रति हेक्टेयर के दर से डालकर बोआई करे ।
पपीता	रिंग स्पाट वायरस तथा मौजेक वायरस से बचाव के लिए बीज को सितम्बर माह में नर्सरी में लगायें और अक्टूबर-नबम्बर में रोपाई करें। इसके उन्नत किस्में पुसा डवार्फ या हनीडियू की रोपाई करे , रोपाई के लिए पौधो से पौधो के बीच की दुरी 1 .8 फीट रखकर 60 (लम्बाई) ×60 (चौड़ाई) ×60 सेन्टीमिटर (गहरा) ग़डढा खोदें |ग़डढा में खाद की मात्रा - साड़ी गोबर की खाद 7 किलोग्राम,करंज य नीम खाली 1 किलोग्राम ,डी .ए .पी . 1 .5 किलोग्राम ,म्यूरिएट ऑफ पोटाश 500 ग्राम एवं मिथाईलपाराथियन धुल 50 ग्राम खोदे हुए मिट्टी में मिलाकर भर दे तथा 15 दिनों बाद रोपाई करें |
मत्सया पालन	जीरा संचय के बाद प्रति माह 4 क्विनटल गोबर खाद ,8 किलोग्राम डी . ए . पी .और 50 किलोग्राम चुना प्रति माह प्रति एकड़ के दर डाले और कृत्रिम भोजन (सरसों खली एवं चावल का कुण्डा बराबर मात्रा मे) 3-5 किलोग्राम प्रति दिन प्रति एकड़ के दर 4 से 6 माह भुरकाव करें| तलाब के पानी के रंग पर नजर रखे ,तादि पानी का रंग हरा हो गया हो तो खाद या पुरक अहार देना बन्द कर दे पुना पानी साफ होने पर अहार दे|
अन्य	अधिक वर्षा जल का डोभा एवं तलाब मे संचय करे तथा मौसम की प्रतिकुल स्थिति में फसल में उपयोग करे |आर्द्रता के बढने से भण्डार गृह में कीटो का प्रकोप बढ जाता है अतः बचाव हेतु साल्फोस का टिकीया बर्तन में रखकर भण्डार गृह को बन्द रखें |

(राजू लिन्डा) **(डॉ . ए . वदूद)** **(डॉ बी .के . भगत)**

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
क्षेत्रीये अनुसंधान केन्द्र (बिरसा कृषि विश्वाविद्यालय) दुमका,झारखण्ड
(www.bauranchi.org /www.bau-eagriculture.com)

BAU — मौसम खेती परामर्श बुलेटीन, जिला- कोडरमा — IMD

Ref:... 42/AAS/Dumka, Jharkhand
Dated: 19.09.2017
Mobile No: 09661143150
(amfudumka@gmail.com)

बिरसा कृषि विश्वाविद्यालय के अन्तर्गत छेत्रीय अनुसंधान केन्द्र,दुमका को भारतीय मौसम विभाग राँची, भारत सरकार के पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय से प्राप्त अगले पाँच दिनो का मौसम पूर्वानुमान |

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान

मौसम इकाई	दिनांक				
	20 सितम्बर	21 सितम्बर	22 सितम्बर	23 सितम्बर	24 सितम्बर
वर्षापात (मिलीमीटर)	15	10	12	8	4
अधिकतम तापमान (°c)	30	32	32	33	33
न्यूनतम तापमान (°c)	24	24	24	24	24
आकाश में बादल की स्थिति	बादल छाये रहेंगे	घने बादल छाये रहेंगे	घने बादल छाये रहेंगे	घने बादल छाये रहेंगे	बादल छाये रहेंगे
अधिकतम सपेक्षितआर्द्रता (%)	93	90	90	87	86
न्यूनतम सपेक्षितआर्द्रता (%)	71	75	67	63	59
हवा की गति (कि.मी/ घंटा)	8	7	7	4	4
हवा की दिशा	पुरव	दक्षिण-पुरव	दक्षिण-पुरव	दक्षिण	दक्षिण-पुरव

फसल की अवस्था :-

फसल	अवस्था	फसल	अवस्था
धान	बलियाँ आने से लेकर गभा की अवस्था	अरहर एवं कुल्थी	शाकीये अवस्था
मक्का	दुग्ध अवस्था से लेकर परिपक्व की अवस्था	सोयाबीन ,मुँगफली ,कुदरूम,उरद , एवं तील	शाकीये से लेकर पुष्प अवस्था
शकरकंद	कन्द विकास कीअवस्था	भिन्डी और लतरने वाले सब्जी	शाकीये अवस्था से लेकर कटनी अवस्था
ओल ,अदरक एवं हल्दी	कन्द एवं तना विकास की अवस्था	आम ,लीची ,अमरूद, केला और पापीता	रोपाई
टमाटर ,पत्तागोभी एवं फूलगोभी	बीजस्थली में बोआई एवं रोपाई	आलू ,मटर ,फ्रेंचबीन एवं सरगुजा	बोआई

मौसम पूर्वानुमान पर अधारित कृषि सलाह - अगले पाँच दिनो के मौसम पूर्वानुमान के अनुसार हल्की वर्षा से लेकर मध्यम वर्षा होने की सम्भावना है किसान मध्यम एवं निची जमीन में लगे धान की खेत से बहते हुए पानी की मेड़बन्दी कर रोक ले, फसल की निकाई -गोड़ाई कर रसायनिक खाद का भुरकाव करे , कीटनाशी एवं फाफुँदनाशी का आकाश साफ रहने रहने पर छिड़काव करे | उपरी जमीन की जोताई कर टमाटर,बैगन ,पत्तागोभी एवं फूलगोभी , आलू एवं मटर की रोपाई करें | रोपाई के पश्चात बीज एवं पौधा गलन से बचाव हेतु जल निकासी का उचित प्रावन्ध करें|

धान	1) गोलमिडज से बचाव हेतु फोरेट 10 जी दाने दार किटनाशक 10 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर के दर से भुरकाव करें	2) तना छेदक कीट एवं सॉढ़ा कीट से बचाव हेतु मोनोक्रोटोफॉस 36 ई सी, 1.5 मिली लीटर प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करे। 3)कवक जनित झोंका तथा भूरा चिति रोग से नियंत्रण हेतु कार्वेन्डाजिम 1 ग्राम या ट्राइसायक्लाजोल 0.06 ग्राम प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करे। 4)पत्रावरण अंगमारी रोग एवं जीवाणु जनित रोग से नियंत्रण हेतु खेत से जल निकासी का उचित प्रवन्ध करें तथा पोटाश की अतिरिक्त मात्रा 30 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर के दर से भुरकाव करें एवं नत्रजन की बची मात्रा विलम्ब से डालें। रोग से नियंत्रण हेतु हेक्साकोनाजोल (कोन्टाफ) 2 ग्राम या वैलिडामाइसिन 2.5 मिली लिटर प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।
मक्का	पके फसल में नमी 30 प्रतिशत से कम रहने पर फसल की कटनी करें, अच्छी तरह सुखाने के बाद मेज सेलर से दाने निकालकर , 8 से 10 प्रतिशत नमी रहने पर भंडारण करें	
तोरिया एवं राई	तोरिया टी.9,वी.आर-23, पी.टी.-303,पंचाली और राई के उन्नत प्रभेद-शिवानी , पूसा बोल्ड, कान्ति ,वरदान की बोआई एकल फसल के रूप मे करे। खेत तैयार कर कतार से कतार 30 सेंन्टीमीटर खोलकर तोरिया के लिए रसायनिक खाद यूरिया की आधी मात्रा 20 किलोग्राम, सिंगल सुपर फॉसफेट 62 किलोग्राम एवं म्यूरिएट ऑफ पोटाश 18 किलोग्राम और फॉसफोजिप्सम 53 किलोग्राम और राई के लिए रसायनिक खाद यूरिया की आधी मात्रा 35 किलोग्राम, सिंगल सुपर फॉसफेट 150 किलोग्राम एवं म्यूरिएट ऑफ पोटाश 27 किलोग्राम और फॉसफोजिप्सम 53 किलोग्राम प्रति एकड़ के दर से डालकर एवं बीज से बीज की दूरी 10 सेंन्टीमीटर रखकर 2 किलोग्राम बीज प्रति एकड़ के दर से बुआई करें ।
अरहर	दुसरी निकाई - गुड़ाई 40 से 45 दिनों में करें । पत्तियो खाने वाले कीट से बचाव हेतु मोनोक्रोटोफॉस 36 ई सी, 1 मिली लिटर और टीपोल 0. 5 मिली लिटर का प्रति लीटर पानी में मिश्रण बनाकर छिड़काव करें।
सरगुजा	उँची जमीन की दो से तीन जुताई करने के पश्चात इसके उन्नत प्रभेद- विरसा नाईजर -1 या बी. एन.- 2 की बुआई करें। बुआई के लिए कतार से कतार 30 सेंटीमीटर खोलकर यूरिया 10 किलोग्राम, डी.ए.पी 18 किलोग्राम,म्यूरिएट ऑफ पोटाश 14 किलोग्राम एवं लिण्डन धुल 10 किलोग्राम प्रति एकड़ के दर से डालकर एवं 2 से 2.5 किलोग्राम बीज को कैप्टन को 3 ग्राम प्रति किलोग्राम के दर से बीजोपचार कर बीज से बीज की दूरी 10 से 15 सेंन्टीमीटर रख कर बुआई करें।
उड़द , बरवटी एवं कुल्थी	1)भुआ पिल्लू से नियंत्रण हेतु नवजात शिशु के झुण्ड को प्रारंभिक अवस्था में कीट द्वारा ग्रसित पत्तियों को एकात्रित कर मिट्टी में दवा दें एवं क्विनालफॉस 1.0 मिलीलीटर या डाईक्लोरोफॉस 0.5मिलीलीटर प्रति लीटर पानी के दर से घोल बनाकर एवं घोल मे टिपोल 0.5मिलीलीटर प्रति लीटर के दर से मिलाकर छिड़काव करें।**2)**रस चुसक कीट -सफेद मक्खी थ्रीपस तथा माहू कीट जो पीला शिरा विषाणु रोग को फैलाती हैं अत: थ्रीपस से बचाव के लिए 50प्रतिशित ट्राइजोफॉस दवा फसल में फूल आने के समय छिड़काव करें। सफेद मक्खी से बचाव के लिए ग्रसित पीला पौधे को उखाडकर नष्ट कर दें तथा 15दिन के अन्तराल पर आक्सीमिथाइलडेमाटोन दवा 1.0 मिलीलीटरप्रति लीटर के दर से मिलाकर छिड़काव करें ।
टमाटर पत्तागोभी फूलगोभी	**1)टमाटर** के उन्नत प्रभेद- स्वर्ण समपदा, स्वर्ण समृद्धि ,पूसा हाइबिड -1, सुरक्षा (संकर) तथा स्वर्ण लालिमा,अरका आभा,बी.टी -2 । **2)पत्तागोभी** के उन्नत प्रभेद-गोल्डन एकर , प्राइड ऑफ इंडिया और अर्ली ड्रमहेड । **3)फूलगोभी** के उन्नत प्रभेद -पुसा दीपावली , पटना अर्ली , हाजीपुर एक्स्ट्रा अर्ली , पूसा केतकी, अर्ली सिंथेटिक,पुसा हिमज्योति, पन्त शुभ्रा आदि में से किसी एक का बिचड़ा नेट शेड में ऊँची बीजस्थली बनकर उगायें । बीज डालने से पहले बीज को कार्वेन्डाजिम 2 ग्राम या ट्राईकोग्रामा 5 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज के दर से उपचारित कर बुआई करें। रोपाई के लिए जोताई करते समय अनुसंशित मात्रा में सड़ी गोवर खाद 25 टन, यूरिया की आधी मात्रा 130 किलोग्राम, सिंगल सुपर फॉसफेट 375 किलोग्राम,म्यूरिएट ऑफ पोटाश 100 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर के दर से डालकर आगात प्रभेद के लिए कतार सए कतार 60 सेन्टीमिटर और पौधा से पौधा 30 (संकर एवम पिछात प्रभेद के लिए 60 सेन्टीमिटर और पौधा से पौधा 45 सेन्टीमिटर) पर रोपाई करें|
सब्जी मटर	उन्नत प्रभेद -आर्केल , काशी नन्दिनी , पी.एम-113 , पुसा प्रगति एवं अजाद पी - 1 की बुआई करें। 40 किलोग्राम प्रति एकड़ के दर से बीज लेकर बुआई के लिए अनुसंशित मात्रा में सड़ी गोवर खाद 10 टन, यूरिया 30 किलोग्राम, सिंगल सुपर फॉसफेट 200 किलोग्राम,म्यूरिएट ऑफ पोटाश 26 किलोग्राम एवं बीज को कैप्टान या थिरम 2 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज के दर से उपचरित करने के पश्चात जीवाणु खाद उपचरित कर कतार से कतार 30 से 45 सेंटीमीटर खोलकर तथा बीज से बीज की दूरी 10 सेंन्टीमीटर रख कर बुआई करें।
आलू	उन्नत एवं अगात प्रभेद-कुफरी अशोका , कुफरी पुखराज , कुफरी सूर्या , कुफरी पुस्कर इत्यादि की बुआई करे। खेत तैयारकर 25 से 30 ग्राम आकार का स्वस्थ अंकुरित कन्द बुवाई के लिए चयन करें।बुआई के लिए 25 से 30 क्विंटल बीज प्रति हेक्टेयर के दर से लेकर बुवाई से पहले बीज को कार्वेडाजिम या मैनकोजेब या रेडोमिल एम.जेड.1.5 से 2 ग्राम प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर आधे घंटा उपचारित कर बुआई करें ।खेत तैयार करते समय 40 टन प्रति हेक्टेयर के दर से गोवर खाद डालकर अंतिम जुताई कर पाटा चला दें। अधिक उत्पादन हेतु कतार से कतार 50 सेन्टीमिटर एवं पौधा से पौधा 15 से 20 खोलकर यूरिया की आधी मात्रा 96 किलोग्राम, सिंगल सुपर फॉसफेट 174 किलोग्राम,म्यूरिएट ऑफ पोटाश 200 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर के दर से एवं 24 किलोग्राम सल्फर प्रति हेक्टेयर के दर से डालकर बोआई करे ।
पपीता	रिंग स्पाट वायरस तथा मौजेक वायरस से बचाव के लिए बीज को सितम्बर माह में नर्सरी में लगायें और अक्टूबर-नवम्बर में रोपाई करें। इसके उन्नत किस्में पुसा डवार्फ या हनीडियू की रोपाई करे , रोपाई के लिए पौधो से पौधो के बीच की दुरी 1.8 फीट रखकर 60(लम्बाई) ×60(चौड़ाई) ×60 सेन्टीमिटर(गहरा) गड्ढा खोदें	गड्ढा में खाद की मात्रा - साड़ी गोवर की खाद 7 किलोग्राम,करंज य नीम खाली 1 किलोग्राम ,डी.ए.पी. 1.5 किलोग्राम ,म्यूरिएट ऑफ पोटाश 500 ग्राम एवं मिथाईलपारथियन धुल 50 ग्राम खोदे हुए मिट्टी में मिलाकर भर दे तथा 15 दिनों बाद रोपाई करें	
मत्सया पालन	जीरा संचय के बाद प्रति माह 4 क्विनटल गोवर खाद ,8 किलोग्राम डी. ए. पी .और 50 किलोग्राम चुना प्रति माह प्रति एकड़ के दर डाले और कृत्रिम भोजन (सरसों खली एवं चावल का कुण्डा बराबर मात्रा मे) 3-5 किलोग्राम प्रति दिन प्रति एकड़ के दर 4 से 6 माह भुरकाव करें| तलाब के पानी के रंग पर नजर रखे ,तादि पानी का रंग हरा हो गया हो तो खाद या पुरक अहार देना बन्द कर दे पुना पानी साफ होने पर अहार दे|	
अन्य	अधिक वर्षा जल का डोभा एवं तलाव मे संचय करे तथा मौसम की प्रतिकुल स्थिति में फसल में उपयोग करे	आर्द्रता के बढने से भण्डार गृह में कीटो का प्रकोप बढ जाता है अतः बचाव हेतु साल्फोस का टिकीया वर्तन में रखकर भण्डार गृह को बन्द रखें	

(राजू लिन्डा)
कनीय वैज्ञानिक,

(डॉ. ए. वदूद)
नोडल आफिसर

(डॉ बी.के. भगत)
सह - निदेशक,

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
क्षेत्रीये अनुसंधान केन्द्र (बिरसा कृषि विश्वाविद्यालय) दुमका,झारखण्ड
(www.bauranchi.org /www.bau-eagriculture.com)

BAU — मौसम खेती परामर्श बुलेटीन, जिला- साहिबगंज — IMD

Ref:... 42/AAS/Dumka, Jharkhand
Dated: 19.09.2017
Mobile No: 09661143150
(amfudumka@gmail.com)

विरसा कृषि विश्वाविद्यालय के अन्तर्गत छेत्रीय अनुसंधान केन्द्र,दुमका को भारतीय मौसम विभाग राँची, भारत सरकार के पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय से प्राप्त अगले पाँच दिनो का मौसम पूर्वानुमान |

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान

मौसम इकाई	दिनांक				
	20 सितम्बर	21 सितम्बर	22 सितम्बर	23 सितम्बर	24 सितम्बर
वर्षापात (मिलीमीटर)	31	12	15	8	5
अधिकतम तापमान (°c)	32	32	33	33	34
न्यूनतम तापमान (°c)	24	24	24	25	25
आकाश में बादल की स्थिति	घने बादल छाये रहेंगे	घने बादल छाये रहेंगे	घने बादल छाये रहेंगे	बादल छाये रहेंगे	बादल छाये रहेंगे
अधिकतम सपेक्षितआर्द्रता (%)	91	92	93	90	85
न्यूनतम सपेक्षितआर्द्रता (%)	67	69	66	63	62
हवा की गति (कि.मी/ घंटा)	12	10	9	7	5
हवा की दिशा	दक्षिण -पुरब	दक्षिण-पुरब	दक्षिण-पुरब	दक्षिण-पुरब	दक्षिण-पुरब

फसल की अवस्था :-

फसल	अवस्था	फसल	अवस्था
धान	बलियाँ आने से लेकर गभा की अवस्था	अरहर एवं कुल्थी	शाकीये अवस्था
मक्का	दुग्ध अवस्था से लेकर परिपक्व की अवस्था	सोयाबीन ,मुँगफली ,कुदरूम,उरद , एवं तील	शाकीये से लेकर पुष्प अवस्था
शकरकंद	कन्द विकास कीअवस्था	भिन्डी और लतरने वाले सब्जी	शाकीये अवस्था से लेकर कटनी अवस्था
ओल ,अदरक एवं हल्दी	कन्द एवं तना विकास की अवस्था	आम ,लीची ,अमरूद, केला और पापीता	गेपाई
टमाटर ,पत्तागोभी एवं फूलगोभी	बीजस्थली में बोआई एवं रोपाई	आलू ,मटर ,फ्रेंचबीन एवं सरगुजा	बोआई

मौसम पूर्वानुमान पर अधारित कृषि सलाह - अगले पाँच दिनो के मौसम पूर्वानुमान के अनुसार हल्की वर्षा से लेकर मध्यम वर्षा होने की सम्भावना है किसान मध्यम एवं निची जमीन में लगे धान की खेत से बहते हुए पानी की मेड़बन्दी कर रोक ले, फसल की निकाई -गोड़ाई कर रसायनिक खाद का भुरकाव करे , कीटनाशी एवं फाफुँदनाशी का आकाश साफ रहने रहने पर छिड़काव करे | उपरी जमीन की जोताई कर टमाटर,बैगन ,पत्तागोभी एवं फूलगोभी , आलू एवं मटर की रोपाई करें | रोपाई के पश्चात बीज एवं पौधा गलन से बचाव हेतु जल निकासी का उचित प्रावन्ध करें|

धान	1) गोलमिडज से बचाव हेतु फोरेट 10 जी दाने दार किटनाशक 10 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर के दर से भुरकाव करें	2) तना छेदक कीट एवं सॉढ़ा कीट से बचाव हेतु मोनोक्रोटोफॉस 36 ई सी, 1.5 मिली लीटर प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करे। 3)कवक जनित झोंका तथा भूरा चिति रोग से नियंत्रण हेतु कार्वेन्डाजिम 1 ग्राम या ट्राइसायक्लाजोल 0.06 ग्राम प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करे। 4)पत्रावरण अंगमारी रोग एवं जीवाणु जनित रोग से नियंत्रण हेतु खेत से जल निकासी का उचित प्रवन्ध करें तथा पोटाश की अतिरिक्त मात्रा 30 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर के दर से भुरकाव करें एवं नत्रजन की बची मात्रा विलम्ब से डालें। रोग से नियंत्रण हेतु हेक्साकोनाजोल (कोन्टाफ) 2 ग्राम या बैलिडामाइसिन 2.5 मिली लिटर प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।
मक्का	पके फसल में नमी 30 प्रतिशत से कम रहने पर फसल की कटनी करें, अच्छी तरह सुखाने के बाद मेज सेलर से दाने निकालकर , 8 से 10 प्रतिशत नमी रहने पर भंडारण करें	
तोरिया एवं राई	तोरिया टी.9,वी.आर-23, पी.टी.-303,पंचाली और राई के उन्नत प्रभेद-शिवानी , पूसा बोल्ड, कान्ति ,वरदान की बोआई एकल फसल के रूप मे करे। खेत तैयार कर कतार से कतार 30 सेंन्टीमीटर खोलकर तोरिया के लिए रसायनिक खाद यूरिया की आधी मात्रा 20 किलोग्राम, सिंगल सुपर फॉसफेट 62 किलोग्राम एवं म्यूरिएट ऑफ पोटाश 18 किलोग्राम और फॉसफोजिप्सम 53 किलोग्राम और राई के लिए रसायनिक खाद यूरिया की आधी मात्रा 35 किलोग्राम, सिंगल सुपर फॉसफेट 150 किलोग्राम एवं म्यूरिएट ऑफ पोटाश 27 किलोग्राम और फॉसफोजिप्सम 53 किलोग्राम प्रति एकड़ के दर से डालकर एवं बीज से बीज की दूरी 10 सेंन्टीमीटर रखकर 2 किलोग्राम बीज प्रति एकड़ के दर से बुआई करें ।
अरहर	दुसरी निकाई - गुड़ाई 40 से 45 दिनों में करें । पत्तियो खाने वाले कीट से बचाव हेतु मोनोक्रोटोफॉस 36 ई सी, 1 मिली लीटर और टीपोल 0. 5 मिली लीटर का प्रति लीटर पानी में मिश्रण बनाकर छिड़काव करे।	
सरगुजा	उँची जमीन की दो से तीन जुताई करने के पश्चात इसके उन्नत प्रभेद- विरसा नाईजर -1 या वी. एन .- 2 की बुआई करें। बुआई के लिए कतार से कतार 30 सेंटीमीटर खोलकर यूरिया 10 किलोग्राम, डी.ए.पी 18 किलोग्राम,म्यूरिएट ऑफ पोटाश 14 किलोग्राम एवं लिण्डन धुल 10 किलोग्राम प्रति एकड़ के दर से डालकर एवं 2 से 2.5 किलोग्राम बीज को कैप्टन को 3 ग्राम प्रति किलोग्राम के दर से बीजोपचार कर बीज से बीज की दूरी 10 से 15 सेन्टीमीटर रख कर बुआई करें।	
उड़द , बरवटी एवं कुल्थी	1)भुआ पिल्लू से नियंत्रण हेतु नवजात शिशु के झुण्ड को प्रारंभिक अवस्था में कीट द्वारा ग्रसित पत्तियों को एकात्रित कर मिट्टी में दवा दें एवं क्विनालफॉस 1.0 मिलीलीटर या डाईक्लोरोफॉस 0.5मिलीलीटर प्रति लीटर पानी के दर से घोल बनाकर एवं घोल मे टिपोल 0.5मिलीलीटर प्रति लीटर के दर से मिलाकर छिड़काव करें।**2)**रस चुसक कीट -सफेद मक्खी थ्रीपस तथा माहू कीट जो पीला शिरा विषाणु रोग को फैलाती हैं अत: थ्रीपस से बचाव के लिए 50प्रतिशित ट्राइजोफॉस दवा फसल में फूल आने के समय छिड़काव करें। सफेद मक्खी से बचाव के लिए ग्रसित पीला पौधे को उखाडकर नष्ट कर दें तथा 15दिन के अन्तराल पर आक्सीमिथाइलडेमाटोन दवा 1.0 मिलीलीटरप्रति लीटर के दर से मिलाकर छिड़काव करें ।	
टमाटर पत्तागोभी फूलगोभी	**1)टमाटर** के उन्नत प्रभेद- स्वर्ण समपदा, स्वर्ण समृद्धि ,पूसा हाइबिड -1, सुरक्षा (संकर) तथा स्वर्ण लालिमा,अरका आभा,वी.टी -2 । **2)पत्तागोभी** के उन्नत प्रभेद-गोल्डन एकर , प्राइड ऑफ इंडिया और अर्ली ड्रमहेड । **3)फूलगोभी** के उन्नत प्रभेद -पुसा दीपावली , पटना अर्ली , हाजीपुर एक्स्ट्रा अर्ली , पूसा केतकी, अर्ली सिंथेटिक,पुसा हिमज्योति, पन्त शुभ्रा आदि में से किसी एक का बिचड़ा नेट शेड में ऊँची बीजस्थली बनकर उगायें । बीज डालने से पहले बीज को कार्वेन्डाजिम 2 ग्राम या ट्राईकोग्रामा 5 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज के दर से उपचारित कर बुआई करें। रोपाई के लिए जोताई करते समय अनुसंशित मात्रा में सड़ी गोवर खाद 25 टन, यूरिया की आधी मात्रा 130 किलोग्राम, सिंगल सुपर फॉसफेट 375 किलोग्राम,म्यूरिएट ऑफ पोटाश 100 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर के दर से डालकर आगात प्रभेद के लिए कतार सए कतार 60 सेन्टीमिटर और पौधा से पौधा 30 (संकर एवम पिछात प्रभेद के लिए 60 सेन्टीमिटर और पौधा से पौधा 45 सेन्टीमिटर) पर रोपाई करें		
सब्जी मटर	उन्नत प्रभेद -आर्केल , काशी नन्दिनी , पी.एम-113 , पुसा प्रगति एवं अजाद पी - 1 की बुआई करें। 40 किलोग्राम प्रति एकड़ के दर से बीज लेकर बुआई के लिए अनुसंशित मात्रा में सड़ी गोवर खाद 10 टन, यूरिया 30 किलोग्राम, सिंगल सुपर फॉसफेट 200 किलोग्राम,म्यूरिएट ऑफ पोटाश 26 किलोग्राम एवं बीज को कैप्टान या थिरम 2 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज के दर से उपचरित करने के पश्चात जीवाणु खाद उपचरित कर कतार से कतार 30 से 45 सेंटीमीटर खोलकर तथा बीज से बीज की दूरी 10 सेन्टीमीटर रख कर बुआई करें।	
आलू	उन्नत एवं अगात प्रभेद-कुफरी अशोका , कुफरी पुखराज , कुफरी सूर्या , कुफरी पुस्कर इत्त्यादि की बुआई करे। खेत तैयारकर 25 से 30 ग्राम आकार का स्वस्थ अंकुरित कन्द बुवाई के लिए चयन करें।बुआई के लिए 25 से 30 क्विंटल बीज प्रति हेक्टेयर के दर से लेकर बुवाई से पहले बीज को कार्वेडाजिम या मैनकोजेब या रेडोमिल एम.जेड.1.5 से 2 ग्राम प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर आधे घंटा उपचारित कर बुआई करें ।खेत तैयार करते समय 40 टन प्रति हेक्टेयर के दर से गोवर खाद डालकर अंतिम जुताई कर पाटा चला दें। अधिक उत्पादन हेतु कतार से कतार 50 सेन्टीमिटर एवं पौधा से पौधा 15 से 20 खोलकर यूरिया की आधी मात्रा 96 किलोग्राम, सिंगल सुपर फॉसफेट 174 किलोग्राम,म्यूरिएट ऑफ पोटाश 200 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर के दर से एवं 24 किलोग्राम सल्फर प्रति हेक्टेयर के दर से डालकर बोआई करे ।	
पपीता	रिंग स्पाट वायरस तथा मौजेक वायरस से बचाव के लिए बीज को सितम्बर माह में नर्सरी में लगायें और अक्टूबर-नवम्बर में रोपाई करें। इसके उन्नत किस्में पुसा डवार्फ या हनीडियू की रोपाई करे , रोपाई के लिए पौधो से पौधो के बीच की दुरी 1.8 फीट रखकर 60(लम्बाई) ×60(चौड़ाई) ×60 सेन्टीमिटर(गहरा) गड्ढा खोदें	गड्ढा में खाद की मात्रा - साड़ी गोवर की खाद 7 किलोग्राम,करंज य नीम खाली 1 किलोग्राम ,डी.ए.पी. 1.5 किलोग्राम ,म्यूरिएट ऑफ पोटाश 500 ग्राम एवं मिथाईलपारथियन धुल 50 ग्राम खोदे हुए मिट्टी में मिलाकर भर दे तथा 15 दिनों बाद रोपाई करें		
मत्सया पालन	जीरा संचय के बाद प्रति माह 4 क्विनटल गोवर खाद ,8 किलोग्राम डी. ए. पी. और 50 किलोग्राम चुना प्रति माह प्रति एकड़ के दर डाले और कृत्रिम भोजन (सरसों खली एवं चावल का कुण्डा बराबर मात्रा मे) 3-5 किलोग्राम प्रति दिन प्रति एकड़ के दर 4 से 6 माह भुरकाव करें	तलाब के पानी के रंग पर नजर रखे ,तादि पानी का रंग हरा हो गया हो तो खाद या पुरक अहार देना बन्द कर दे पुना पानी साफ होने पर अहार दे		
अन्य	अधिक वर्षा जल का डोभा एवं तलाव मे संचय करे तथा मौसम की प्रतिकुल स्थिति में फसल में उपयोग करे	आर्द्रता के बढने से भण्डार गृह में कीटो का प्रकोप बढ जाता है अतः बचाव हेतु साल्फोस का टिकीया वर्तन में रखकर भण्डार गृह को बन्द रखें		

(राजू लिन्डा) (डॉ. ए. वदूद) (डॉ बी.के. भगत)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

क्षेत्रीये अनुसंधान केन्द्र (बिरसा कृषि विश्वाविद्यालय) दुमका,झारखण्ड

(www.bauranchi.org /www.bau-eagriculture.com)

BAU **मौसम खेती परामर्श बुलेटीन, जिला- गोडडा** **IMD**

Ref:... 42/AAS/Dumka, Jharkhand Mobile No: 09661143150
Dated: 19.09.2017 (amfudumka@gmail.com)

बिरसा कृषि विश्वाविद्यालय के अन्तर्गत छेत्रीय अनुसंधान केन्द,दुमका को भारतीय मौसम विभाग राँची, भारत सरकार के पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय से प्राप्त अगले पाँच दिनो का मौसम पूर्वानुमान |

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान

मौसम इकाई	दिनांक				
	20 सितम्बर	21 सितम्बर	22 सितम्बर	23 सितम्बर	24 सितम्बर
वर्षापात (मिलीमीटर)	24	12	10	8	3
अधिकतम तापमान (°c)	32	32	33	34	34
न्यूनतम तापमान (°c)	24	24	24	24	25
आकाश में बादल की स्थिति	घने बादल छाये रहेंगे	घने बादल छाये रहेंगे	बादल छाये रहेंगे	बादल छाये रहेंगे	बादल छाये रहेंगे
अधिकतम सपेक्षितआर्द्रता (%)	91	93	94	90	86
न्यूनतम सपेक्षितआर्द्रता (%)	66	69	65	62	60
हवा की गति (कि .मी/ घंटा)	10	9	9	7	6
हवा की दिशा	दक्षिण -पुरब	दक्षिण-पुरब	दक्षिण-पुरब	दक्षिण	दक्षिण-पुरब

फसल की अवस्था:-

फसल	अवस्था	फसल	अवस्था
धान	बालियाँ आने से लेकर गभा की अवस्था	अरहर एवं कुल्थी	शाकीये अवस्था
मक्का	दुग्ध अवस्था से लेकर परिपक्व की अवस्था	सोयाबीन ,मुँगफली ,कुदरूम,उरद , एवं तील	शाकीये से लेकर पुष्प अवस्था
शकरकंद	कन्द विकास कीअवस्था	भिन्डी और लतरने वाले सब्जी	शाकीये अवस्था से लेकर कटनी अवस्था
ओल ,अदरक एवं हल्दी	कन्द एवं तना विकास की अवस्था	आम ,लीची ,अमरूद, केला और पापीता	रोपाई
टमाटर ,पत्तागोभी एवं फूलगोभी	बीजस्थली में बोआई एवं रोपाई	आलू ,मटर ,फ्रेंचबीन एवं सरगुजा	बोआई

मौसम पूर्वानुमान पर अधारित कृषि सलाह - अगले पाँच दिनो के मौसम पूर्वानुमान के अनुसार हल्की वर्षा से लेकर मध्यम वर्षा होने की सम्भावना है किसान मध्यम एवं निची जमीन में लगे धान की खेत से बहते हुए पानी की मेड़बन्दी कर रोक ले, फसल की निकाई -गोड़ाई कर रसायनिक खाद का भुरकाव करे , कीटनाशी एवं फाफुँदनाशी का आकाश साफ रहने रहने पर छिड़काव करे | उपरी जमीन की जोताई कर टमाटर,बैगन ,पत्तागोभी एवं फूलगोभी , आलू एवं मटर की रोपाई करें | रोपाई के पश्चात बीज एवं पौधा गलन से वचाव हेतु जल निकासी का उचित प्रावन्ध करें|

धान	1) गोलमिडज से बचाव हेतु फोरेट 10 जी दाने दार किटनाशक 10 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर के दर से भुरकाव करें | 2) तना छेदक कीट एवं सॉढ़ा कीट से बचाव हेतु मोनोक्रोटोफॉस 36 ई सी, 1 .5 मिली लीटर प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करे। 3)कवक जनित झोंका तथा भूरा चिति रोग से नियंत्रण हेतु कार्बेन्डाजिम 1 ग्राम या ट्राइसायक्लाजोल 0 .06 ग्राम प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करे। 4)पत्रावरण अंगमारी रोग एवं जीवाणु जनित रोग से नियंत्रण हेतु खेत से जल निकासी का उचित प्रवन्ध करें तथा पोटाश की अतिरिक्त मात्रा 30 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर के दर से भुरकाव करें एवं नत्रजन की बची मात्रा विलम्ब से डालें। रोग से नियंत्रण हेतु हेक्साकोनाजोल (कोन्टाफ) 2 ग्राम या वैलिडामाइसिन 2 .5 मिली लीटर प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।
मक्का	पके फसल में नमी 30 प्रतिशत से कम रहने पर फसल की कटनी करें, अच्छी तरह सुखाने के बाद मेज सेलर से दाने निकालकर , 8 से 10 प्रतिशत नमी रहने पर भंडारण करें |
तोरिया एवं राई	तोरिया टी .9,बी . आर-23, पी .टी .-303,पंचाली और राई के उन्नत प्रभेद-शिवानी , पूसा बोल्ड, क्रान्ति ,वरदान की बोआई एकल फसल के रूप मे करे। खेत तैयार कर कतार से कतार 30 सेंन्टीमीटर खोलकर तोरिया के लिए रसायनिक खाद यूरिया की आधी मात्रा 20 किलोग्राम, सिंगल सुपर फॉसफेट 62 किलोग्राम एवं म्यूरिएट ऑफ पोटाश 18 किलोग्राम और फॉसफोजिप्सम 53 किलोग्राम और राई के लिए रसायनिक खाद यूरिया की आधी मात्रा 35 किलोग्राम, सिंगल सुपर फॉसफेट 150 किलोग्राम एवं म्यूरिएट ऑफ पोटाश 27 किलोग्राम और फॉसफोजिप्सम 53 किलोग्राम प्रति एकड़ के दर से डालकर एवं बीज से बीज की दूरी 10 सेंन्टीमीटर रखकर 2 किलोग्राम बीज प्रति एकड़ के दर से बुआई करें ।
अरहर	दुसरी निकाई - गुड़ाई 40 से 45 दिनें में करें । पत्तियो खाने वाले कीट से बचाव हेतु मोनोक्रोटोफॉस 36 ई सी, 1 मिली लीटर और टीपोल 0 . 5 मिली लीटर का प्रति लीटर पानी में मिश्रण बनाकर छिड़काव करे।
सरगुजा	उँची जमीन की दो से तीन जुताई करने के पश्चात्त इसके उन्नत प्रभेद- बिरसा नाईजर -1 या बी . एन .- 2 की बुआई करें। बुआई के लिए कतार से कतार 30 सेंटीमीटर खोलकर यूरिया 10 किलोग्राम, डी .ए .पी 18 किलोग्राम,म्यूरिएट ऑफ पोटाश 14 किलोग्राम एवं लिण्डन धुल 10 किलोग्राम प्रति एकड़ के दर से डालकर एवं 2 से 2 .5 किलोग्राम बीज को कैप्टन को 3 ग्राम प्रति किलोग्राम के दर से बीजोपचार कर बीज से बीज की दूरी 10 से 15 सेंन्टीमीटर रख कर बुआई करें।
उड़द , बरबटी एवं कुल्थी	1)भुआ पिल्लू से नियंत्रण हेतु नवजात शिशु के झुण्ड को प्रारंभिक अवस्था में कीट द्वारा ग्रसित पत्तियों को एकात्रित कर मिट्टी में दवा दें एवं क्विनालफॉस 1 .0 मिलीलीटर या डाईक्लोरोफॉस 0 .5मिलीलीटर प्रति लीटर पानी के दर से घोल बनाकर एवं घोल मे टिपोल 0 .5मिलीलीटर प्रति लीटर के दर से मिलाकर छिड़काव करें।2)रस चुसक कीट -सफेद मक्खी थीपस तथा माहू कीट जो पीला शिरा विषाणु रोग को फैलाती हैं अत: थीपस से बचाव के लिए 50प्रतिशित ट्राइजोफॉस दवा फसल में फूल आने के समय छिड़काव करें। सफेद मक्खी से बचाव के लिए ग्रसित पीला पौधे को उखाडकर नष्ट कर दें तथा 15दिन के अन्तराल पर आक्सीमिथाइलडेमाटोन दवा 1 .0 मिलीलीटरप्रति लीटर के दर से मिलाकर छिड़काव करें ।
टमाटर पत्तागोभी फूलगोभी	**1)टमाटर** के उन्नत प्रभेद- स्वर्ण समपदा, स्वर्ण समृद्धि ,पूसा हाइबिड -1, सुरक्षा (संकर) तथा स्वर्ण लालिमा,अरका आभा,बी .टी -2 । **2)पत्तागोभी** के उन्नत प्रभेद-गोल्डन एकर , प्राइड ऑफ इंडिया और अर्ली ड्रमहेड । **3)फूलगोभी** के उन्नत प्रभेद -पुसा दीपावली , पटना अर्ली , हाजीपुर एक्स्ट्रा अर्ली , पूसा केतकी, अर्ली सिंथेटिक,पुसा हिमज्योति, पन्त शुप्रभा आदि में से किसी एक का बिचड़ा नेट शेड में ऊँची बीजस्थली बनकर उगायें । बीज डालने से पहले बीज को कार्बेन्डाजिम 2 ग्राम या ट्राईकोग्रामा 5 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज के दर से उपचारित कर बुआई करें। रोपााई के लिए जोताई करते समय अनुसंशित मात्रा में सड़ी गोबर खाद 25 टन, यूरिया की आधी मात्रा 130 किलोग्राम, सिंगल सुपर फॉसफेट 375 किलोग्राम,म्यूरिएट ऑफ पोटाश 100 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर के दर से डालकर आगात प्रभेद के लिए कतार सए कतार 60 सेन्टीमिटर और पौधा से पौधा 30 (संकर एवम पिछात प्रभेद के लिए 60 सेन्टीमिटर और पौधा से पौधा 45 सेन्टीमिटर) पर रोपााई करें|
सब्जी मटर	उन्नत प्रभेद -आर्केल , काशी नन्दिनी , पी .एम-113 , पुसा प्रगति एवं अजाद पी - 1 की बुआई करें। 40 किलोग्राम प्रति एकड़ के दर से बीज लेकर बुआई के लिए अनुसंशित मात्रा में सड़ी गोबर खाद 10 टन, यूरिया 30 किलोग्राम, सिंगल सुपर फॉसफेट 200 किलोग्राम,म्यूरिएट ऑफ पोटाश 26 किलोग्राम एवं बीज को कैप्टान या थिरम 2 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज के दर से उपचरित करने के पश्चात जीवाणु खाद उपचरित कर कतार से कतार 30 से 45 सेंटीमीटर खोलकर तथा बीज से बीज की दूरी 10 सेंन्टीमीटर रख कर बुआई करें।
आलू	उन्नत एवं अगात प्रभेद-कुफरी अशोका , कुफरी पुखराज , कुफरी सूर्या , कुफरी पुस्कर इत्यादि की बुआई करे। खेत तैयारकर 25 से 30 ग्राम आकार का स्वस्थ अंकुरित कन्द बुवाई के लिए चयन करें।बुआई के लिए 25 से 30 क्विंटल बीज प्रति हेक्टेयर के दर से लेकर बुवाई से पहले बीज को कार्बेडाजिम या मैनकोजेब या रेडोमिल एम .जेड .1 .5 से 2 ग्राम प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर आधे धंटा उपचारित कर बुआई करें ।खेत तैयार करते समय 40 टन प्रति हेक्टेयर के दर से गोबर खाद डालकर अंतिम जुताई कर पाटा चला दें। अधिक उत्पादन हेतु कतार से कतार 50 सेन्टीमिटर एवं पौधा से पौधा 15 से 20 खोलकर यूरिया की आधी मात्रा 96 किलोग्राम, सिंगल सुपर फॉसफेट 174 किलोग्राम,म्यूरिएट ऑफ पोटाश 200 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर के दर से एवं 24 किलोग्राम सल्फर प्रति हेक्टेयर के दर से डालकर बोआई करे ।
पपीता	रिंग स्पाट वायरस तथा मौजेक वायरस से बचाव के लिए बीज को सितम्बर माह में नर्सरी में लगायें और अक्टूबर-नबम्बर में रोपाई करें। इसके उन्नत किस्में पुसा डवार्फ या हनीडियू की रोपाई करे , रोपाई के लिए पौधो से पौधो के बीच की दुरी 1 .8 फीट रखकर 60 (लम्बाई) ×60 (चौड़ाई) ×60 सेन्टीमिटर (गहरा) गड़ढा खोदें |गड़ढा में खाद की मात्रा - साड़ी गोबर की खाद 7 किलोग्राम,करंज य नीम खाली 1 किलोग्राम ,डी .ए .पी . 1 .5 किलोग्राम ,म्यूरिएट ऑफ पोटाश 500 ग्राम एवं मिथाईलपाराथियन धुल 50 ग्राम खोदे हुए मिट्टी में मिलाकर भर दे तथा 15 दिनों बाद रोपाई करें |
मत्सया पालन	जीरा संचय के बाद प्रति माह 4 क्विनटल गोबर खाद ,8 किलोग्राम डी . ए . पी .और 50 किलोग्राम चुना प्रति माह प्रति एकड़ के दर डाले और कृत्रिम भोजन (सरसों खली एवं चावल का कुण्डा बराबर मात्रा मे) 3-5 किलोग्राम प्रति दिन प्रति एकड़ के दर 4 से 6 माह भुरकाव करें| तलाब के पानी के रंग पर नजर रखे ,तादि पानी का रंग हरा हो गया हो तो खाद या पुरक अहार देना बन्द कर दे पुना पानी साफ होने पर अहार दे|
अन्य	अधिक वर्षा जल का डोभा एवं तलाब मे संचय करे तथा मौसम की प्रतिकुल स्थिति में फसल में उपयोग करे |आर्द्रता के बढने से भण्डार गृह में कीटो का प्रकोप बढ जाता है अतः बचाव हेतु साल्फोस का टिकीया बर्तन में रखकर भण्डार गृह को बन्द रखें |

(राजू लिन्डा) (डॉ . ए . वदूद) (डॉ बी .के . भगत)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
क्षेत्रीये अनुसंधान केन्द्र (बिरसा कृषि विश्वाविद्यालय) दुमका,झारखण्ड
(www.bauranchi.org /www.bau-eagriculture.com)

BAU — मौसम खेती परामर्श बुलेटीन, जिला- पाकुड़ — IMD

Ref:... 42/AAS/Dumka, Jharkhand
Dated: 19.09.2017
Mobile No: 09661143150
(amfudumka@gmail.com)

बिरसा कृषि विश्वाविद्यालय के अन्तर्गत छेत्रीय अनुसंधान केन्द्र,दुमका को भारतीय मौसम विभाग राँची, भारत सरकार के पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय से प्राप्त अगले पाँच दिनो का मौसम पूर्वानुमान |

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान

मौसम इकाई	दिनांक				
	20 सितम्बर	21 सितम्बर	22 सितम्बर	23 सितम्बर	24 सितम्बर
वर्षापात (मिलीमीटर)	20	15	12	10	8
अधिकतम तापमान (°c)	32	32	33	34	35
न्यूनतम तापमान (°c)	24	24	24	25	25
आकाश में बादल की स्थिति	बादल छाये रहेंगे	घने बादल छाये रहेंगे	बादल छाये रहेंगे	बादल छाये रहेंगे	बादल छाये रहेंगे
अधिकतम सपेक्षितआर्द्रता (%)	92	93	93	92	88
न्यूनतम सपेक्षितआर्द्रता (%)	65	67	64	62	59
हवा की गति (कि.मी/ घंटा)	10	9	9	7	6
हवा की दिशा	दक्षिण -पुरव	दक्षिण-पुरव	दक्षिण-पुरव	दक्षिण	दक्षिण-पुरव

फसल की अवस्था :-

फसल	अवस्था	फसल	अवस्था
धान	बलियाँ आने से लेकर गभा की अवस्था	अरहर एवं कुल्थी	शाकीये अवस्था
मक्का	दुग्ध अवस्था से लेकर परिपक्व की अवस्था	सोयावीन ,मुँगफली ,कुदरूम,उरद , एवं तील	शाकीये से लेकर पुष्प अवस्था
शकरकंद	कन्द विकास कीअवस्था	भिन्डी और लतरने वाले सब्जी	शाकीये अवस्था से लेकर कटनी अवस्था
ओल ,अदरक एवं हल्दी	कन्द एवं तना विकास की अवस्था	आम ,लीची ,अमरूद, केला और पापीता	रोपाई
टमाटर ,पत्तागोभी एवं फूलगोभी	बीजस्थली में बोआई एवं रोपाई	आलू ,मटर ,फेंचबीन एवं सरगुजा	बोआई

मौसम पूर्वानुमान पर अधारित कृषि सलाह - अगले पाँच दिनो के मौसम पूर्वानुमान के अनुसार हल्की वर्षा से लेकर मध्यम वर्षा होने की सम्भावना है किसान मध्यम एवं निची जमीन में लगे धान की खेत से बहते हुए पानी की मेड़बन्दी कर रोक ले, फसल की निकाई -गोड़ाई कर रसायनिक खाद का भुरकाव करे , कीटनाशी एवं फाफुँदनाशी का आकाश साफ रहने रहने पर छिड़काव करे | उपरी जमीन की जोताई कर टमाटर,बैगन ,पत्तागोभी एवं फूलगोभी , आलू एवं मटर की रोपाई करें | रोपाई के पश्चात बीज एवं पौधा गलन से बचाव हेतु जल निकासी का उचित प्रावन्ध करें|

धान	1) गोलमिडज से बचाव हेतु फोरेट 10 जी दाने दार किटनाशक 10 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर के दर से भुरकाव करें	2) तना छेदक कीट एवं सोंढ़ा कीट से बचाव हेतु मोनोक्रोटोफॉस 36 ई सी, 1.5 मिली लीटर प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करे। 3)कवक जनित झोंका तथा भूरा चिति रोग से नियंत्रण हेतु कार्वेन्डाजिम 1 ग्राम या ट्राइसायक्लाजोल 0.06 ग्राम प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करे। 4)पत्रावरण अंगमारी रोग एवं जीवाणु जनित रोग से नियंत्रण हेतु खेत से जल निकासी का उचित प्रबन्ध करें तथा पोटाश की अतिरिक्त मात्रा 30 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर के दर से भुरकाव करें एवं नत्रजन की बची मात्रा विलम्ब से डालें। रोग से नियंत्रण हेतु हेक्साकोनाजोल (कोन्टाफ) 2 ग्राम या बैलिडामाइसिन 2.5 मिली लैटर प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।
मक्का	पके फसल में नमी 30 प्रतिशत से कम रहने पर फसल की कटनी करें, अच्छी तरह सुखाने के बाद मेज सेलर से दाने निकालकर , 8 से 10 प्रतिशत नमी रहने पर भंडारण करें	
तोरिया एवं राई	तोरिया टी.9,वी.आर-23, पी.टी.-303,पंचाली और राई के उन्नत प्रभेद-शिवानी , पूसा बोल्ड, कान्ति ,वरदान की बोआई एकल फसल के रूप मे करे। खेत तैयार कर कतार से कतार 30 सेंन्टीमीटर खोलकर तोरिया के लिए रसायनिक खाद यूरिया की आधी मात्रा 20 किलोग्राम, सिंगल सुपर फॉसफेट 62 किलोग्राम एवं म्यूरिएट ऑफ पोटाश 18 किलोग्राम और फॉसफोजिप्सम 53 किलोग्राम और राई के लिए रसायनिक खाद यूरिया की आधी मात्रा 35 किलोग्राम, सिंगल सुपर फॉसफेट 150 किलोग्राम एवं म्यूरिएट ऑफ पोटाश 27 किलोग्राम और फॉसफोजिप्सम 53 किलोग्राम प्रति एकड़ के दर से डालकर एवं बीज से बीज की दूरी 10 सेंन्टीमीटर रखकर 2 किलोग्राम बीज प्रति एकड़ के दर से बुआई करें ।
अरहर	दुसरी निकाई - गुड़ाई 40 से 45 दिनों में करें । पत्तियो खाने वाले कीट से बचाव हेतु मोनोक्रोटोफॉस 36 ई सी, 1 मिली लैटर और टीपोल 0. 5 मिली लैटर का प्रति लीटर पानी में मिश्रण बनाकर छिड़काव करे।	
सरगुजा	उँची जमीन की दो से तीन जुताई करने के पश्चात इसके उन्नत प्रभेद- विरसा नाईजर -1 या बी. एन.- 2 की बुआई करें। बुआई के लिए कतार से कतार 30 सेंटीमीटर खोलकर यूरिया 10 किलोग्राम, डी.ए.पी 18 किलोग्राम,म्यूरिएट ऑफ पोटाश 14 किलोग्राम एवं लिण्डन धुल 10 किलोग्राम प्रति एकड़ के दर से डालकर एवं 2 से 2.5 किलोग्राम बीज को कैप्टन को 3 ग्राम प्रति किलोग्राम के दर से बीजोपचार कर बीज से बीज की दूरी 10 से 15 सेंन्टीमीटर रख कर बुआई करें।	
उड़द , बरबटी एवं कुल्थी	1)भुआ पिल्लू से नियंत्रण हेतु नवजात शिशु के झुण्ड को प्रारंभिक अवस्था में कीट द्वारा ग्रसित पत्तियों को एकत्रित कर मिट्टी में दबा दें एवं क्विनालफॉस 1.0 मिलीलीटर या डाईक्लोरोफॉस 0.5मिलीलीटर प्रति लीटर पानी के दर से घोल बनाकर एवं घोल मे टिपोल 0.5मिलीलीटर प्रति लीटर के दर से मिलाकर छिड़काव करें।2)रस चुसक कीट -सफेद मक्खी थीपस तथा माहू कीट जो पीला शिरा विषाणु रोग को फैलाती हैं अत: थीपस से बचाव के लिए 50प्रतिशित ट्राइजोफॉस दवा फसल में फूल आने के समय छिड़काव करें। सफेद मक्खी से बचाव के लिए ग्रसित पीला पौधे को उखाडकर नष्ट कर दें तथा 15दिन के अन्तराल पर आक्सीमिथाइलडेमाटोन दवा 1.0 मिलीलीटरप्रति लीटर के दर से मिलाकर छिड़काव करें ।	
टमाटर पत्तागोभी फूलगोभी	1)**टमाटर** के उन्नत प्रभेद- स्वर्ण समपदा, स्वर्ण समृद्धि ,पूसा हाइबिड -1, सुरक्षा (संकर) तथा स्वर्ण लालिमा,अरका आभा,वी.टी -2 । 2)**पत्तागोभी** के उन्नत प्रभेद-गोल्डन एकर , प्राइड ऑफ इंडिया और अर्ली ड्रमहेड । 3)**फूलगोभी** के उन्नत प्रभेद -पुसा दीपावली , पटना अर्ली , हाजीपुर एक्स्ट्रा अर्ली , पूसा केतकी, अर्ली सिंथेटिक,पुसा हिमज्योति, पन्त शुभ्रा आदि में से किसी एक का बिचड़ा नेट शेड में ऊँची बीजस्थली बनकर उगायें । बीज डालने से पहले बीज को कार्वेन्डाजिम 2 ग्राम या ट्राईकोग्रामा 5 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज के दर से उपचारित कर बुआई करें। रोपाई के लिए जोताई करते समय अनुसंशित मात्रा में सड़ी गोबर खाद 25 टन, यूरिया की आधी मात्रा 130 किलोग्राम, सिंगल सुपर फॉसफेट 375 किलोग्राम,म्यूरिएट ऑफ पोटाश 100 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर के दर से डालकर आगात प्रभेद के लिए कतार सए कतार 60 सेन्टीमिटर और पौधा से पौधा 30 (संकर एवम पिछात प्रभेद के लिए 60 सेन्टीमिटर और पौधा से पौधा 45 सेन्टीमिटर) पर रोपाई करें		
सब्जी मटर	उन्नत प्रभेद -आर्केल , काशी नन्दिनी , पी.एम-113 , पुसा प्रगति एवं अजाद पी - 1 की बुआई करें। 40 किलोग्राम प्रति एकड़ के दर से बीज लेकर बुआई के लिए अनुसंशित मात्रा में सड़ी गोबर खाद 10 टन, यूरिया 30 किलोग्राम, सिंगल सुपर फॉसफेट 200 किलोग्राम,म्यूरिएट ऑफ पोटाश 26 किलोग्राम एवं बीज को कैप्टान या थिरम 2 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज के दर से उपचरित करने के पश्चात जीवाणु खाद उपचरित कर कतार से कतार 30 से 45 सेंटीमीटर खोलकर तथा बीज से बीज की दूरी 10 सेंन्टीमीटर रख कर बुआई करें।	
आलू	उन्नत एवं अगात प्रभेद-कुफरी अशोका , कुफरी पुखराज , कुफरी सूर्या , कुफरी पुस्कर इत्यादि की बुआई करे। खेत तैयारकर 25 से 30 ग्राम आकार का स्वस्थ अंकुरित कन्द बुवाई के लिए चयन करें।बुआई के लिए 25 से 30 क्विंटल बीज प्रति हेक्टेयर के दर से लेकर बुवाई से पहले बीज को कार्वेडाजिम या मैनकोजेब या रेडोमिल एम.जेड.1.5 से 2 ग्राम प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर आधे घंटा उपचारित कर बुआई करें ।खेत तैयार करते समय 40 टन प्रति हेक्टेयर के दर से गोबर खाद डालकर अंतिम जुताई कर पाटा चला दें। अधिक उत्पादन हेतु कतार से कतार 50 सेन्टीमिटर एवं पौधा से पौधा 15 से 20 खोलकर यूरिया की आधी मात्रा 96 किलोग्राम, सिंगल सुपर फॉसफेट 174 किलोग्राम,म्यूरिएट ऑफ पोटाश 200 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर के दर से एवं 24 किलोग्राम सल्फर प्रति हेक्टेयर के दर से डालकर बोआई करे ।	
पपीता	रिंग स्पाट वायरस तथा मौजेक वायरस से बचाव के लिए बीज को सितम्बर माह में नर्सरी में लगायें और अक्टूबर-नवम्बर में रोपाई करें। इसके उन्नत किस्में पुसा डवार्फ या हनीडियू की रोपाई करे , रोपाई के लिए पौधो से पौधो के बीच की दुरी 1.8 फीट रखकर 60(लम्बाई) ×60(चौड़ाई) ×60 सेन्टीमिटर(गहरा) गड्ढा खोदें |गड्ढा में खाद की मात्रा - साड़ी गोबर की खाद 7 किलोग्राम,करंज य नीम खाली 1 किलोग्राम ,डी.ए.पी. 1.5 किलोग्राम ,म्यूरिएट ऑफ पोटाश 500 ग्राम एवं मिथाईलपारथियन धुल 50 ग्राम खोदे हुए मिट्टी में मिलाकर भर दे तथा 15 दिनों बाद रोपाई करें		
मत्सया पालन	जीरा संचय के बाद प्रति माह 4 क्विनटल गोबर खाद ,8 किलोग्राम डी. ए. पी. और 50 किलोग्राम चुना प्रति माह प्रति एकड़ के दर डाले और कृत्रिम भोजन (सरसों खली एवं चावल का कुण्डा बराबर मात्रा मे) 3-5 किलोग्राम प्रति दिन प्रति एकड़ के दर 4 से 6 माह भुरकाव करें| तलाब के पानी के रंग पर नजर रखे ,तादि पानी का रंग हरा हो गया हो तो खाद या पुरक अहार देना बन्द कर दे पुना पानी साफ होने पर अहार दे|	
अन्य	अधिक वर्षा जल का डोभा एवं तलाव मे संचय करे तथा मौसम की प्रतिकुल स्थिति में फसल में उपयोग करे |आर्द्रता के बढने से भण्डार गृह में कीटो का प्रकोप बढ जाता है अतः बचाव हेतु सल्फोस का टिकीया वर्तन में रखकर भण्डार गृह को बन्द रखें		

(राजू लिन्डा) (डॉ. ए. वदूद) (डॉ बी.के. भगत)

Ref : 19/2017/GKMS/ Darisai(075)
Date: 19.09. 2017
Web : bauranchi.org

GRAMIN KRISHI MAUSAM SEWA
BIRSA AGRICULTURAL UNIVERSITY
(ZONAL RESEARCH STATION, DARISAI)

बिरसा कृषि विश्वविद्यालय, के अन्तर्गत क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र, दारीसाई को भारत मौसम विभाग, राँची द्वारा भारत सरकार के पृथ्वी विज्ञान मन्त्रालय, नई दिल्ली, से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिला पूर्वी सिंहभूम तथा उसके आसपास के क्षेत्रों के लिए अगले 120 घण्टों के दौरान मौसम पूर्वानुमान

एवम्

मौसम खेती परामर्श बुलेटिन

अगले पाँच दिनों के लिए मौसम पूर्वानुमान (20 सितम्बर 2017 से 24 सितम्बर 2017)

Ph No. –9334729740(m)
binodranchi@gmail.com

मौसम इकाई/दिनांक	20 सितम्बर	21 सितम्बर	22 सितम्बर	23 सितम्बर	24 सितम्बर
वर्षा (मिलीमीटर)	19 मि.मी.	12 मि.मी.	8 मि.मी.	8 मि.मी.	4 मि.मी.
अधिकतम तापमान (°C)	29	31	31	33	33
न्यूनतम तापमान (°C)	23	23	23	23	23
आकाश मे बादल की स्थिति	घने बादल रहेंगें	घने बादल रहेंगें	घने बादल रहेंगें	घने बादल रहेंगें	घने बादल रहेंगें
अधिकतम सपेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत)	91	91	93	91	87
न्यूनतम सपेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत)	67	61	62	62	59
हवा की गति (किलोमीटर प्रतिघंटा)	6	8	7	4	5
हवा की दिशा	दक्षिण से	दक्षिण से	दक्षिण–पूर्व से	दक्षिण से	दक्षिण–पश्चिम् से

उपरोक्त मौसम पूर्वानुमान पर आधारित किसान भाईयों के लिए कृषि सामयिक सलाह

मौसम आधारित विषेश सलाह

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान के अनुसार अगले सप्ताह (24 09 2017 तक) वर्षा एवम् बादल छाये रहने की पूर्ण सम्भावन है। ग्रदा में नमी पर्याप्त मात्रा में है एवम् अगले 24.09.2017 तक मौसम एवम् ग्रदा गिला रहने की पूर्ण सम्भावना है।

पिछले पाँच दिनों में अच्छी बारिश एवम् अगले पाँच दिनों में हल्की बारिश होने की सम्भावना है। अतः धान खेत के मेढ़ों को दुरुस्त कर लें ताकी जल का जमाव बना रहे। देर से बुआई हुये मक्का, अरहर, उरद, मूंग एवम् लगाये गये आलू फसल में जल का जमाव नहीं होनें दें। मृदा में मौजुद नमी की उपलब्धता एवम् इसकी सीमांत उपयोगिता हेतु पशुओं को चारा पूर्ति करने हेतू चारे फसल का चयन करें।

चारा फसल : संकर नेपियर,(आई जी एफ आर 6 या 10), गिन्नी घास, कॉवपी,(बंडेल लोबीया 1या 2 पंत लोबीया 1), बरसीम (बरदान या बंडेल बरसीम 2), मक्का (अफ्रीकन टाल), राइस बिन, इत्यादि का प्रति एकड़ के दर से 4 टन गोबर खाद + यूरिया 130 किलोग्राम + एस एस पी 375 किलोग्राम + एम ओ पी 40 किलोग्राम एवम बीज दर 10–15 किलोग्राम की आवश्यकता होती है। संकर नेपियर 12000 स्लिपस प्रति एकड़ के दर से लें।

टॉड जमीन : कुल्थी, सरगुजा, लोबीया, उड़द, मूंग इत्यादी में प्रथम निकाई–गुड़ाई बुआई के 15 दिन बाद करें। अभी धान पुष्पावस्था में हैं तो कहीं बाली मे पुष्प आने की अवस्था में है। अतः इस अवस्था में निकाई–गुड़ाई का कार्य न करें। वर्षा के बाद मौसम खुलने पर कीटों की संख्याा में वृद्वि (गंधी बग मिली बग, ग्रासहॉपर एवम् अन्य) सुनिश्चित् है। अतः मोनोक्रोटोफॉस 36 ई सी का 600 मिलीलीटर या क्लोरपाईरीफॉस 20 ई सी का 1 लीटर का 200 लीटर पानी में घोल बनाकर प्रति एकड़ खेत में दो बार छिड़काव करें। थ्रीप्स कीट से बचाव के लिए मेटासिस्टाक्स(मिथाईल पाराथियन) 50 प्रतिशत् ई सी का 1 मिलीलीटर या रोगर(डायमेथोएट) का 2 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी केदर से छिड़काव करें।

मध्यम एवम् निचली जमीन: खरपतवार निकाल कर यूरिया का द्वितीय टॉपड्रेसिंग करें। तना छेदक एवम् पत्ति लपेट का प्रकोप देखा जा रहा है, बचाव हतु बिरसा कृषि विश्वविद्यालय द्वार निर्मित ट्राइकोग्रामा जैपोनीका एवम् ट्राइकोग्रामा काइलोनिस कार्ड 40 हजार प्रति एकड़ के दर से सप्ताहिक अंतराल पर तीन से चार बार व्यवहार में लें। यदि प्रकोप न्यूनतम छति सीमा से ज्यादा हो, तो बेसीलस थूरिन्जेनसीस 400 ग्राम प्रति एकड़ के दर से दो–तीन बार या बाजार में उपलब्ध ब्युवेरीया बेसीयाना (बाबा) तरल दवा 1 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़कार शाम के वक्त करें। तापमान एवम् आद्रता में बढ़त तो कभी गिराट होने से खड़ी फसल में झोंका बीमारी का भी संक्रमण देखा जा रहा है । अतः बचाव हेतु स्युडोमोनास फ्लोरेसेंस (पा एफ 1) 500 मिलीलीटर पानी में 400 ग्राम जैविक दवा 7 दिनों के अंतराल पर तीन बार छिड़काव करें या बीम का 6 ग्राम प्रति 10 लीटर तथा बैविस्टीन 50 डब्लू पी का 1 ग्राम प्रति लीटर पानी मे घोल बना कर छिड़काव करे। धान में चूहों का प्रकोप हो, तो मेढ़ों को पतला कर छेदों के समीप धनात्मक आकार का डंडा 20–25 संख्या प्रति एकड़ कें हिसाब से लगा दें ताकि रात में उल्लू आकर बैठे।मध्यम जमीन खाली पड़े खेत में नमी का लाभ उठाने हेतु

तोरी की उन्नत प्रभेद – बी आर 23, टी 9, पी टी 303, पांचाली, भवानी इत्यादि ही व्यवहार में लें। खेत की अंतीम तैयारी के समय यूरिया 25 किलोग्राम + 100 किलोग्राम एस एस पी + 15 किलोग्राम एम ओ पी अच्छी तरह से मिला दें। कतार से कतार 30 सेंटीमीटर एवम् पौधे से पौधे 10 सेंटीमीटर की दूरी पर, 2 ग्राम थीरम प्रति किलो बीज को उपचारित ही व्यवहार में लें।

हरा मटर : आरकेल, आजाद पी की 40 किलोग्राम प्रति एकड की दर से कतार से कतार 30 सेंटीमीटर एवम् पौधा से पौधा 15 सेंटीमीटर की दूरी पर लगायें। उर्वरक– यूरिया–20 किलोग्राम + एस एस पी – 120 किलोग्राम + एम ओ पी– 30 किलोग्राम प्रति एकड की दर से पूरी मात्रा बुआई के समय दें।

आलू: अगेती आलू जैसे – कुफरी अशोका, कुफरी सूर्या, कुफरी पुष्कर एवम् कुफरी पुखराज जिसकी अवधि 80–90 दिन की है सितम्बर के पुरुआत में इसकी बुआई कर सकते है। बुआई हेतु जमीन की जुताई 2–3 बार देषी हल से अच्छि तरह से कर लेनें के पश्चात् अंतिम जुताई के समय सड़ी गोबर की खाद 4 टन प्रति एकड़ के दर से मिला लें तथा दीमक के प्रकोप के प्रबंधन हेतु मालाथियान या क्लोरपारीफॉस धूल 10–12 किलोग्राम या नीम/करंज खल्ली 100–120 किलोग्राम प्रति एकड के दर से मिट्टी में मिला दें। उर्वरक हेतु 60 : 32 : 48 : 10 किलोग्राम एन पी के एस प्रति एकड़ के दर से व्यवहार करें। नेत्रजन की आधी मात्रा तथा फासफोरस, पोटाष एवम् सल्फर की पूरी मात्रा बुआइे के समय दें। बुआई पूर्व आलू बीज को मेटालेक्सिल या रिडोमील एम जेड 1.5 मिलीलीटर प्रति एकड़ के दर से 1 धंटा उपचारित कर हीं बुआई करें। 25–30 ग्राम वजन प्रति आलू बीज के दर से 12 किंवटल आलू बीज की आवश्यकता होती है।

बिरसा कृषि विश्वविद्यालय,कॉके, राँची

मकई : कहीं–कही बाली के मूछों पर लाल चिट्टीयों का प्रकोप देखा जा रहा है अतः मिथइल पाराथीयन आधा ग्राम प्रत्येक बाली के मूछों पर सुबह के वक्त दें। इस अवस्था में नमी की कमी एवम् जल का जमाव नहीं होने दे। जिन किसान भाईयों के बाली में दाने बनने लगे हों, तो इस अवस्था में नमी की कमी न होंने दें एवम् पक्षियों से बचाव करें। जिन किसान भाईयों के मकई बुआई के 30 दिनों के हो गये हों, तो निकाई–गुड़ाई कर 25 किलोग्राम यूरिया प्रति एकड़ के दर से भुरकाव करे एंवम् मिट्टी चढ़ा दें। जिन किसान भाईयों के मकई बुआई के 15 दिनों हों गये हो, तो इस मौसम में तना छेदक कीटों का प्रकोप होने की सम्भावना रहती है अतः इस अवस्था में पौधों की गाभा में कारबोफुरान 3 जी, या फोरेट 10 जी, का 6–8 दानों को डालें। अधिक लाभ प्राप्ति हेतु मकई + लोबिया या मकई + उड़द लें।

अरहर : जो किसान भाई अरहर की बुआई सितम्बर माह में करना चाहते हैं, वे बीज की व्यवस्था कर लें। समय पर बुआई किये गए फसल अभी क्रियाशील शाकीय वृद्धि अवस्था में है। पत्ते खाने वाले कीटों का प्रकोक देखा जा रहा है, बचााव हेतु मोनोक्रोटोफास 1 मिलीलीटर + टिपोल 0.5 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी मे मश्रित घोल बनाकर छिड़काव करें।

दलहन(उडद/मूंग) : पुष्प बनने की अवस्था से पहले निकाई–गुड़ाई कर लें। जिन स्थानों मे वर्षा की मात्रा कम एवम् होने की अंतराल ज्यादा हो, तो नमी में ह्रास के कारण मृदा का तापमान में बढोतरी होने सें मृदा में कीटों (दीमक) की प्रबलता बढ़ने की सम्भावना बहुत अधिक रहती है। अतः नमी की कमी न होने दें। अतः दीमक के प्रकोप से बचने के लिए 10 किलाग्राम प्रति एकड़ लिंनडेन धूल या नीम या करंज खल्ली धूल 2–3 क्विंटल या प्रति एकड़ के दर से व्यवहार करें। पानी की निकासी हेतु नाली का निर्माण कर लें।

तेलहन(मूँगफली): मूंगफली में लीफ माइनर के प्रकोप को कम करने हेतु मोनोक्रोटोफॉस 36 एस एल या ट्राइजोफॉस 40 इ सी का 1 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी के दर से दो बार 15 दिनों के अंतराल पर करें। टिक्का बीमारी मूंगफली में अभी के मौसम में प्रकोप बढ़ता हुआ देखा जा रहा है। अतः साफ या सिक्सर फफूँदनाषी दवा का 2 ग्राम एवम् 0.5 मिलीलीटर टीपोल प्रति लीटर पानी में मिलाकर बारिष के उपरान्त छिड़काव करें।

सब्जियाँ : बैंगन, फुलगोभी, बंधागोभी के बीचड़े तैयार करने का उप्युक्त समय है। तैयार बीचड़े में कीटों का प्रकोप होने पर जैविक कीटनाशी बायोलेप या डायपेल 1ग्राम प्रंत लीटर पानी में घोल बना कर छिड़काव करें। बैंगन, भिन्डी में लाल मकड़ी, लौकी में लाल भृंग कम नमी एवम् तापमान में वृद्धि होने से प्रकोप बढ़ गई है अतः बचाव हेतु डायकोफाल 2.5 मिलीलीटर तथा फोलीडाल धूल 5–10 ग्राम प्रति थल्ला मिट्टी में मिलायें या इन्डोसल्फान 4 प्रतिषत् धूल 10 किलोग्राम प्रति एकड़ की दर से छिड़काव करें।आवश्यकता होने पर क्लोरपारीफॉस 1 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी में घोल बना कर छिड़काव करें।

पशुपालन के लिए सलाह :–

उपलब्ध स्रोतों का अधिक से अधिक उपयोग करें (बकरियों के लिये) जैसे : बरगद, पीपल, गुलर, शिश्म, बाँस, सहतूत, सुबबूल इत्यादि पत्तियाँ।

- किचन परित्यक्त वस्तुओं को सुखे चारे के साथ मिला कर उपयोग करें।
- बाजार में उपलब्ध मिन्रल एवम् विटामिनों का जानवरों को भोजन के अलावा इस्तमाल करें।
- घर में उपयोग होने वाले नमक 10 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से धोल तैयार कर प्रति 100 किलोग्राम फसल अवशिष्टों के ऊपर छिड़काव कर कुछ देर के लिए धूप में खुला छोड़ें। तैयार किये गये फसल अवष्टिों को 3–4 किलोग्राम के दर से प्रति दिन प्रति पशुओं को दें।
- बाजार में उपलब्ध मिन्रल एवम् विटामिनों का जानवरों को भोजन के अलावा इस्तमाल करें।
- मुर्गियों में रानीखेत रोग से बचाव हेतु टीकाकरण, समस्त धरेलु पशुओं में अंतः परजीवी नियंत्रण के उपाय पशु चिकित्सक के देखरेख में अवश्य अपनायें।मुर्गियों में रानीखेत रोग से बचाव हेतु टीकाकरण, समस्त धरेलु पशुओं में अंतः परजीवी नियंत्रण के उपाय पशु चिकित्सक के देखरेख में अवश्य अपनायें।
- पशुओं को कृमी निरोधक दवा का सेवन कराने हेतु निम्न सुझाव (पशुचिकित्पक के देखरेख में) :

पारासाइट के प्रकार		दवा का नाम	मात्रा/कि०ग्रा० शरीर वजन	देने का तरीका	टिप्पणी
राउंड वार्म	1.	फेनबैन्डाजोल/एलबेन्डाजोल	75 मि०ग्रा०/10 कि०ग्रा०	मुँह से	प्रथम डोज जन्म के 5–6 दिनों के अंदर
	2.	इबरमैक्टिन	1 मि०ली०/33 कि०ग्रा० शरीर भार	चमड़ा के नीचे	फिर 45 दिनों के अंतराल पर
फ्लैट वार्म(फ्लूक)	3.	डिस्टोडिन	1–2 टैब्लेट		आवश्यकतानुसार
	4.	जेन्टिन	30 मि०ली०/100 कि०ग्रा०		
	5.	एलबेन्डाजोल	75 मि०ग्रा०/10 कि०ग्रा०		
	6.	इबरमैक्टिन	2 सी सी/100 कि०ग्रा०	गर्दन के चमड़ा पर	
टेप वार्म	7.	टेनिल	10–12 ग्रा०/जानवर	मुँह से	20 दिनों के अंतराल पर
	8.	वोपेल	15 ग्रा०/जानवर		
	9.	इबरमैक्टिन	1 मि०ली०/33 कि०ग्रा० शरीर भार	चमड़ा के नीचे	

बिनोद कुमार
तकनिकी पदाधिकारी

ए० वदूद
नोडल आफिसर

Ref : 19/2017/GKMS/ Darisai(075)
Date: 19.09. 2017
Web : bauranchi.org

GRAMIN KRISHI MAUSAM SEWA
BIRSA AGRICULTURAL UNIVERSITY
(ZONAL RESEARCH STATION, DARISAI

बिरसा कृषि विश्वविद्यालय, के अन्तर्गत क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र, दारीसाई को भारत मौसम विभाग, राँची द्वारा भारत सरकार के पृथ्वी विज्ञान मन्त्रालय, नई दिल्ली, से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिला सरायकेला तथा उसके आसपास के क्षेत्रों के लिए अगले 120 घण्टों के दौरान मौसम पूर्वानुमान

एवम्

मौसम खेती परामर्श बुलेटिन

अगले पॉच दिनों के लिए मौसम पूर्वानुमान (20 सितम्बर 2017 से 24 सितम्बर 2017)

Ph No. –9334729740(m)
binodranchi@gmail.com

मौसम इकाई/दिनांक	20 सितम्बर	21 सितम्बर	22 सितम्बर	23 सितम्बर	24 सितम्बर
वर्षा (मिलीमीटर)	19 मि.मी.	12 मि.मी.	8 मि.मी.	8 मि.मी.	4 मि.मी.
अधिकतम तापमान (^{0}C)	29	31	31	33	33
न्यूनतम तापमान (^{0}C)	23	23	23	23	23
आकाश मे बादल की स्थिति	घने बादल रहेंगें	घने बादल रहेंगें	घने बादल रहेंगें	घने बादल रहेंगें	घने बादल रहेंगें
अधिकतम सपेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत)	92	92	94	90	85
न्यूनतम सपेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत)	68	65	65	64	60
हवा की गति (किलोमीटर प्रतिघंटा)	4	6	6	2	3
हवा की दिशा	दक्षिण से	दक्षिण से	दक्षिण से	दक्षिण–पश्चिम् से	दक्षिण–पश्चिम् से

उपरोक्त मौसम पूर्वानुमान पर आधारित किसान भाईयों के लिए कृषि सामयिक सलाह

मौसम आधारित विषेश सलाह

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान के अनुसार अगले सप्ताह (24 09 2017 तक) वर्षा एवम् बादल छाये रहने की पूर्ण सम्भावन है। भ्रदा में नमी पर्याप्त मात्रा में है एवम् अगले 24.09.2017 तक मौसम एवम् भ्रदा गिला रहने की पूर्ण सम्भावना है।

पिछले पॉच दिनों में अच्छी बारिश एवम् अगले पॉच दिनों में हल्की बारिश होने की सम्भावना है। अतः धान खेत के मेढ़ों को दुरुस्त कर लें ताकी जल का जमाव बना रहे। देर से बुआई हुये मक्का, अरहर, उरद, मूंग एवम् लगाये गये आलू फसल में जल का जमाव नहीं होनें दें। मृदा में मौजुद नमी की उपलब्धता एवम् इसकी सीमांत उपयोगिता हेतु पशुओं को चारा पूर्ति करने हेतू चारे फसल का चयन करें।

चारा फसल : संकर नेपियर,(आई जी एफ आर 6 या 10), गिन्नी घास, कॉवपी,(बंडेल लोबीया 1या 2 पंत लोबीया 1), बरसीम (बरदान या बंडेल बरसीम 2), मक्का (अफ्रीकन टाल), राइस बिन, इत्यादि का प्रति एकड़ के दर से 4 टन गोबर खाद + यूरिया 130 किलोग्राम + एस एस पी 375 किलोग्राम + एम ओ पी 40 किलोग्राम एवम बीज दर 10–15 किलोग्राम की आवश्यकता होती है। संकर नेपियर 12000 स्लिपस प्रति एकड़ के दर से लें।

टॉड जमीन : कुल्थी, सरगुजा, लोबीया, उड़द, मूंग इत्यादी में प्रथम निकाई–गुड़ाई बुआई के 15 दिन बाद करें। अभी धान पुष्पावस्था में हैं तो कहीं बाली मे पुष्प आने की अवस्था में है। अतः इस अवस्था में निकाई–गुड़ाई का कार्य न करें। वर्षा के बाद मौसम खुलने पर कीटों की संख्या में वृद्वि (गंधी बग मिली बग, ग्रासहॉपर एवम् अन्य) सुनिश्चित् है। अतः मोनोक्रोटोफॉस 36 ई सी का 600 मिलीलीटर या क्लोरपाईरीफॉस 20 ई सी का 1 लीटर का 200 लीटर पानी में घोल बनाकर प्रति एकड़ खेत में दो बार छिड़काव करें। थ्रीप्स कीट से बचाव के लिए मेटासिस्टाक्स(मिथाईल पाराथियन) 50 प्रतिशत् ई सी का 1 मिलीलीटर या रोगर(डायमेथोएट) का 2 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी केदर से छिड़काव करें।

मध्यम एवम् निचली जमीन: खरपतवार निकाल कर यूरिया का द्वितीय टॉपड्रेसिंग करें। तना छेदक एवम् पत्ति लपेट का प्रकोप देखा जा रहा है, बचाव हतु बिरसा कृषि विश्वविद्यालय द्वार निर्मित ट्राइकोग्रामा जैपोनीका एवम् ट्राइकोग्रामा काइलोनिस कार्ड 40 हजार प्रति एकड़ के दर से सप्ताहिक अंतराल पर तीन से चार बार व्यवहार में लें। यदि प्रकोप न्यूनतम छति सीमा से ज्यादा हो, तो बेसीलस थूरिन्जेनसीस 400 ग्राम प्रति एकड़ के दर से दो–तीन बार या बाजार में उपलब्ध ब्युवेरीया बेसीयाना (बाबा) तरल दवा 1 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़कार शाम के वक्त करें। तापमान एवम् आद्रता में बढ़त तो कभी गिराट होने से खड़ी फसल में झोंका बीमारी का भी संक्रमण देखा जा रहा है । अतः बचाव हेतु स्युडोमोनास फ्लोरेसेंस (पा एफ 1) 500 मिलीलीटर पानी में 400 ग्राम जैविक दवा 7 दिनों के अंतराल पर तीन बार छिड़काव करें या बीम का 6 ग्राम प्रति 10 लीटर तथा बैविस्टीन 50 डब्लू पी का 1 ग्राम प्रति लीटर पानी मे घोल बना कर छिड़काव करे। धान में चूहों का प्रकोप हो, तो मेढ़ों को पतला कर छेदों के समीप धनात्मक आकार का डंडा 20–25 संख्या प्रति एकड़ कें हिसाब से लगा दें ताकि रात में उल्लू आकर बैठे।मध्यम जमीन खाली पड़े खेत में नमी का लाभ उठाने हेतु

तोरी की उन्नत प्रभेद – बी आर 23, टी 9, पी टी 303, पांचाली, भवानी इत्यादि ही व्यवहार में लें। खेत की अंतीम तैयारी के समय यूरिया 25 किलोग्राम + 100 किलोग्राम एस एस पी + 15 किलोग्राम एम ओ पी अच्छी तरह से मिला दें। कतार से कतार 30 सेंटीमीटर एवम् पौधे से पौधे 10 सेंटीमीटर की दूरी पर, 2 ग्राम थीरम प्रति किलो बीज को उपचारित ही व्यवहार में लें।

हरा मटर : आरकेल, आजाद पी की 40 किलोग्राम प्रति एकड की दर से कतार से कतार 30 सेंटीमीटर एवम् पौधा से पौधा 15 सेंटीमीटर की दूरी पर लगायें। उर्वरक– यूरिया–20 किलोग्राम + एस एस पी – 120 किलोग्राम + एम ओ पी– 30 किलोग्राम प्रति एकड की दर से पूरी मात्रा बुआई के समय दें।

आलू: अगेती आलू जैसे – कुफरी अशोका, कुफरी सूर्या, कुफरी पुष्कर एवम् कुफरी पुखराज जिसकी अवधि 80–90 दिन की है सितम्बर के पुरुआत में इसकी बुआई कर सकते है। बुआई हेतु जमीन की जुताई 2–3 बार देषी हल से अच्छि तरह से कर लेनें के पश्चात् अंतिम जुताई के समय सड़ी गोबर की खाद 4 टन प्रति एकड़ के दर से मिला लें तथा दीमक के प्रकोप के प्रबंधन हेतु मालाथियान या क्लोरपारीफॉस धूल 10–12 किलोग्राम या नीम/करंज खल्ली 100–120 किलोग्राम प्रति एकड के दर से मिट्टी में मिला दें। उर्वरक हेतु 60 : 32 : 48 : 10 किलोग्राम एन पी के एस प्रति एकड़ के दर से व्यवहार करें। नेत्रजन की आधी मात्रा तथा फासफोरस, पोटाष एवम् सल्फर की पूरी मात्रा बुआइे के समय दें। बुआई पूर्व आलू बीज को मेटालेक्सिल या रिडोमील एम जेड 1.5 मिलीलीटर प्रति एकड़ के दर से 1 घंटा उपचारित कर हीं बुआई करें। 25–30 ग्राम वजन प्रति आलू बीज के दर से 12 क्विंटल आलू बीज की आवश्यकता होती है।

मकई : कहीं–कही बाली के मूछों पर लाल चिट्टीयों का प्रकोप देखा जा रहा है अतः मिथइल पाराथीयन आधा ग्राम प्रत्येक बाली के मूछों पर सुबह के वक्त दें। इस अवस्था में नमी की कमी एवम् जल का जमाव नहीं होने दे। जिन किसान भाईयों के बाली में दाने बनने लगे हों, तो इस अवस्था में नमी की कमी न होंने दें एवम् पक्षियों से बचाव करें। जिन किसान भाईयों के मकई बुआई के 30 दिनों के हो गये हों, तो निकाई–गुड़ाई कर 25 किलोग्राम यूरिया प्रति एकड़ के दर से भुरकाव करे एवम् मिट्टी चढ़ा दें। जिन किसान भाईयों के मकई बुआई के 15 दिनों हों गये हो, तो इस मौसम में तना छेदक कीटों का प्रकोप होने की सम्भावना रहती है अतः इस अवस्था में पौधों की गाभा में कारबोफुरान 3 जी, या फोरेट 10 जी, का 6–8 दानों को डालें। अधिक लाभ प्राप्ति हेतु मकई + लोबिया या मकई + उड़द लें।

अरहर : जो किसान भाई अरहर की बुआई सितम्बर माह में करना चाहते हैं, वे बीज की व्यवस्था कर लें। समय पर बुआई किये गए फसल अभी क्रियाशील शाकीय वृद्धि अवस्था में है। पत्ते खाने वाले कीटों का प्रकोप देखा जा रहा है, बचाव हेतु मोनोक्रोटोफास 1 मिलीलीटर + टिपोल 0.5 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी मे मश्रित घोल बनाकर छिड़काव करें।

दलहन(उड़द/मूंग) : पुष्प बनने की अवस्था से पहले निकाई–गुड़ाई कर लें। जिन स्थानों मे वर्षा की मात्रा कम एवम् होने की अंतराल ज्यादा हो, तो नमी में ह्रास के कारण मृदा का तापमान में बढोतरी होने सें मृदा में कीटों (दीमक) की प्रबलता बढ़ने की सम्भावना बहुत अधिक रहती है। अतः नमी की कमी न होने दें। अतः दीमक के प्रकोप से बचने के लिए 10 किलाग्राम प्रति एकड़ लिंनडेन धूल या नीम या करंज खल्ली धूल 2–3 क्विंटल या प्रति एकड़ के दर से व्यवहार करें। पानी की निकासी हेतु नाली का निर्माण कर लें।

तेलहन(मूँगफली): मूंगफली में लीफ माइनर के प्रकोप को कम करने हेतु मोनोक्रोटोफॉस 36 एस एल या ट्राइजोफॉस 40 इ सी का 1 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी के दर से दो बार 15 दिनों के अंतराल पर करें। टिक्का बीमारी मूंगफली में अभी के मौसम में प्रकोप बढ़ता हुआ देखा जा रहा है। अतः साफ या सिक्सर फफूँदनाषी दवा का 2 ग्राम एवम् 0.5 मिलीलीटर टीपोल प्रति लीटर पानी में मिलाकर बारिष के उपरान्त छिड़काव करें।

सब्जियॉं : बैंगन, फुलगोभी, बंधागोभी के बीचड़े तैयार करने का उप्युक्त समय है। तैयार बीचड़े में कीटों का प्रकोप होने पर जैविक कीटनाशी बायोलेप या डायपेल 1ग्राम प्रंत लीटर पानी में घोल बना कर छिड़काव करें। बैंगन, भिन्डी में लाल मकड़ी, लौकी में लाल भृंग कम नमी एवम् तापमान में वृद्धि होने से प्रकोप बढ़ गई है अतः बचाव हेतु डायकोफाल 2.5 मिलीलीटर तथा फोलीडाल धूल 5–10 ग्राम प्रति थल्ला मिट्टी में मिलायें या इन्डोसल्फान 4 प्रतिषत् धूल 10 किलोग्राम प्रति एकड़ की दर से छिड़काव करें।आवश्यकता होने पर क्लोरपारीफॉस 1 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी में घोल बना कर छिड़काव करें।

पशुपालन के लिए सलाह :–

उपलब्ध स्रोतों का अधिक से अधिक उपयोग करें (बकरियों के लिये) जैसे : बरगद, पीपल, गुलर, शिश्म, बॉस, सहतूत, सुबबूल इत्यादि पत्तियॉं।

- किचन परित्यक्त वस्तुओं को सुखे चारे के साथ मिला कर उपयोग करें।
- बाजार में उपलब्ध मिन्रल एवम् विटामिनों का जानवरों को भोजन के अलावा इस्तमाल करें।
- घर में उपयोग होने वाले नमक 10 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से धोल तैयार कर प्रति 100 किलोग्राम फसल अवशिष्टों के ऊपर छिड़काव कर कुछ देर के लिए धूप में खुला छोड़ें। तैयार किये गये फसल अवष्टिों को 3–4 किलोग्राम के दर से प्रति दिन प्रति पशुओं को दें।
- बाजार में उपलब्ध मिन्रल एवम् विटामिनों का जानवरों को भोजन के अलावा इस्तमाल करें।
- मुर्गियों में रानीखेत रोग से बचाव हेतु टीकाकरण, समस्त धरेलु पशुओं में अंतः परजीवी नियंत्रण के उपाय पशु चिकित्सक के देखरेख में अवश्य अपनायें।मुर्गियों में रानीखेत रोग से बचाव हेतु टीकाकरण, समस्त धरेलु पशुओं में अंतः परजीवी नियंत्रण के उपाय पशु चिकित्सक के देखरेख में अवश्य अपनायें।
- पशुओं को कृमी निरोधक दवा का सेवन कराने हेतु निम्न सुझाव (पशुचिकित्पक के देखरेख में) :

पारासाइट के प्रकार		दवा का नाम	मात्रा/कि०ग्रा० शरीर वजन	देने का तरीका	टिप्पणी
राउंड वार्म	1.	फेनबैन्डाजोल/एलबेन्डाजोल	75 मि०ग्रा०/10 कि०ग्रा०	मुँह से	प्रथम डोज जन्म के 5–6 दिनों के अंदर
	2.	इबरमैक्टिन	1 मि०ली०/33 कि०ग्रा० शरीर भार	चमड़ा के नीचे	फिर 45 दिनों के अंतराल पर
फ्लैट वार्म(फ्लूक)	3.	डिस्टोडिन	1–2 टैब्लेट		आवश्यकतानुसार
	4.	जेन्टिन	30 मि०ली०/100 कि०ग्रा०		
	5.	एलबेन्डाजोल	75 मि०ग्रा०/10 कि०ग्रा०		
	6.	इबरमैक्टिन	2 सी सी/100 कि०ग्रा०	गर्दन के चमड़ा पर	
टेप वार्म	7.	टेनिल	10–12 ग्रा०/जानवर	मुँह से	20 दिनों के अंतराल पर
	8.	वोपेल	15 ग्रा०/जानवर		
	9.	इबरमैक्टिन	1 मि०ली०/33 कि०ग्रा० शरीर भार	चमड़ा के नीचे	

बिरसा कृषि विश्वविद्यालय,कॉके, राँची

बिनोद कुमार
तकनिकी पदाधिकारी

ए० वदूद
नोडल आफिसर

Ref : 19/2017/GKMS/ Darisai(075)
Date: 19.09. 2017
Web : bauranchi.org

GRAMIN KRISHI MAUSAM SEWA

BIRSA AGRICULTURAL UNIVERSITY

(ZONAL RESEARCH STATION, DARISAI)

बिरसा कृषि विश्वविद्यालय, के अन्तर्गत क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र, दारीसाई को भारत मौसम विभाग, राँची द्वारा भारत सरकार के पृथ्वी विज्ञान मन्त्रालय, नई दिल्ली, से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिला पश्चिमी सिंहभूम तथा उसके आसपास के क्षेत्रों के लिए अगले 120 घण्टों के दौरान मौसम पूर्वानुमान

एवम्

मौसम खेती परामर्श बुलेटिन

अगले पॉच दिनों के लिए मौसम पूर्वानुमान (20 सितम्बर 2017 से 24 सितम्बर 2017)

Ph No. –9334729740(m)
binodranchi@gmail.com

मौसम इकाई/दिनांक	20 सितम्बर	21 सितम्बर	22 सितम्बर	23 सितम्बर	24 सितम्बर
वर्षा (मिलीमीटर)	19 मि.मी.	12 मि.मी.	8 मि.मी.	8 मि.मी.	4 मि.मी.
अधिकतम तापमान (^{0}C)	29	31	31	33	33
न्यूनतम तापमान (^{0}C)	23	23	23	23	23
आकाश मे बादल की स्थिति	घने बादल रहेंगें	घने बादल रहेंगें	घने बादल रहेंगें	घने बादल रहेंगें	घने बादल रहेंगें
अधिकतम सपेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत)	92	92	94	89	87
न्यूनतम सपेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत)	69	64	63	62	58
हवा की गति (किलोमीटर प्रतिघंटा)	4	6	5	2	3
हवा की दिशा	दक्षिण–पूर्व से	दक्षिण–पूर्व से	दक्षिण–पूर्व से	दक्षिण–पूर्व से	दक्षिण–पूर्व से

उपरोक्त मौसम पूर्वानुमान पर आधारित किसान भाईयों के लिए कृषि सामयिक सलाह

मौसम आधारित विषेश सलाह

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान के अनुसार अगले सप्ताह (24 09 2017 तक) वर्षा एवम् बादल छाये रहने की पूर्ण सम्भावन है। ग्रदा में नमी पर्याप्त मात्रा में है एवम् अगले 24.09.2017 तक मौसम एवम् ग्रदा गिला रहने की पूर्ण सम्भावना है।

पिछले पॉच दिनों में अच्छी बारिश एवम् अगले पॉच दिनों में हल्की बारिश होने की सम्भावना है। अतः धान खेत के मेढ़ों को दुरुस्त कर लें ताकी जल का जमाव बना रहे। देर से बुआई हुये मक्का, अरहर, उरद, मूंग एवम् लगाये गये आलू फसल में जल का जमाव नहीं होनें दें। मृदा में मौजुद नमी की उपलब्धता एवम् इसकी सीमांत उपयोगिता हेतु पशुओं को चारा पूर्ति करने हेतू चारे फसल का चयन करें।

चारा फसल : संकर नेपियर,(आई जी एफ आर 6 या 10), गिन्नी घास, कॉवपी,(बंडेल लोबीया 1या 2 पंत लोबीया 1), बरसीम (बरदान या बंडेल बरसीम 2), मक्का (अफ्रीकन टाल), राइस बिन, इत्यादि का प्रति एकड़ के दर से 4 टन गोबर खाद + यूरिया 130 किलोग्राम + एस एस पी 375 किलोग्राम + एम ओ पी 40 किलोग्राम एवम बीज दर 10–15 किलोग्राम की आवश्यकता होती है। संकर नेपियर 12000 स्लिपस प्रति एकड़ के दर से लें।

टॉड जमीन : कुल्थी, सरगुजा, लोबीया, उड़द, मूंग इत्यादी में प्रथम निकाई–गुड़ाई बुआई के 15 दिन बाद करें। अभी धान पुष्पावस्था में हैं तो कहीं बाली मे पुष्प आने की अवस्था में है। अतः इस अवस्था में निकाई–गुड़ाई का कार्य न करें। वर्षा के बाद मौसम खुलने पर कीटों की संख्याा में वृद्वि (गंधी बग़ मिली बग, ग्रासहॉपर एवम् अन्य) सुनिश्चित् है। अतः मोनोक्रोटोफॉस 36 ई सी का 600 मिलीलीटर या क्लोरपाईरीफॉस 20 ई सी का 1 लीटर का 200 लीटर पानी में घोल बनाकर प्रति एकड़ खेत में दो बार छिड़काव करें। थ्रीप्स कीट से बचाव के लिए मेटासिस्टाक्स(मिथाईल पाराथियन) 50 प्रतिशत् ई सी का 1 मिलीलीटर या रोगर(डायमेथोएट) का 2 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी केदर से छिड़काव करें।

मध्यम एवम् निचली जमीन: खरपतवार निकाल कर यूरिया का द्वितीय टॉपड्रेसिंग करें। तना छेदक एवम् पत्ति लपेट का प्रकोप देखा जा रहा है, बचाव हतु बिरसा कृषि विश्वविद्यालय द्वार निर्मित ट्राइकोग्रामा जैपोनीका एवम् ट्राइकोग्रामा काइलोनिस कार्ड 40 हजार प्रति एकड़ के दर से साप्ताहिक अंतराल पर तीन से चार बार व्यवहार में लें। यदि प्रकोप न्यूनतम छति सीमा से ज्यादा हो, तो बेसीलस थूरिन्जेनसीस 400 ग्राम प्रति एकड़ के दर से दो–तीन बार या बाजार में उपलब्ध ब्युवेरीया बेसीयाना (बाबा) तरल दवा 1 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़कार शाम के वक्त करें। तापमान एवम् आद्रता में बढ़त तो कभी गिरावट होने से खड़ी फसल में झोंका बीमारी का भी संक्रमण देखा जा रहा है । अतः बचाव हेतु स्युडोमोनास फ्लोरेसेंस (पा एफ 1) 500 मिलीलीटर पानी में 400 ग्राम जैविक दवा 7 दिनों के अंतराल पर तीन बार छिड़काव करें या बीम का 6 ग्राम प्रति 10 लीटर तथा बैविस्टीन 50 डब्लू पी का 1 ग्राम प्रति लीटर पानी मे घोल बना कर छिड़काव करे। धान में चूहों का प्रकोप हो, तो मेढ़ों को पतला कर छेदों के समीप धनात्मक आकार का डंडा 20–25 संख्या प्रति एकड़ कें हिसाब से लगा दें ताकि रात में उल्लू आकर बैठे।मध्यम जमीन खाली पड़े खेत में नमी का लाभ उठाने हेतु

तोरी की उन्नत प्रभेद – बी आर 23, टी 9, पी टी 303, पांचाली, भवानी इत्यादि ही व्यवहार में लें। खेत की अंतीम तैयारी के समय यूरिया 25 किलोग्राम + 100 किलोग्राम एस एस पी + 15 किलोग्राम एम ओ पी अच्छी तरह से मिला दें। कतार से कतार 30 सेंटीमीटर एवम् पौधे से पौधे 10 सेंटीमीटर की दूरी पर, 2 ग्राम थीरम प्रति किलो बीज को उपचारित ही व्यवहार में लें।

हरा मटर : आरकेल, आजाद पी की 40 किलोग्राम प्रति एकड की दर से कतार से कतार 30 सेंटीमीटर एवम् पौधा से पौधा 15 सेंटीमीटर की दूरी पर लगायें। उर्वरक– यूरिया–20 किलोग्राम + एस एस पी – 120 किलोग्राम + एम ओ पी– 30 किलोग्राम प्रति एकड की दर से पूरी मात्रा बुआई के समय दें।

आलू: अगेती आलू जैसे – कुफरी अशोका, कुफरी सूर्या, कुफरी पुष्कर एवम् कुफरी पुखराज जिसकी अवधि 80–90 दिन की है सितम्बर के पुरुआत में इसकी बुआई कर सकते है। बुआई हेतु जमीन की जुताई 2–3 बार देषी हल से अच्छि तरह से कर लेनें के पश्चात् अंतिम जुताई के समय सड़ी गोबर की खाद 4 टन प्रति एकड़ के दर से मिला लें तथा दीमक के प्रकोप के प्रबंधन हेतु मालाथियान या क्लोरपारीफॉस धूल 10–12 किलोग्राम या नीम/करंज खल्ली 100–120 किलोग्राम प्रति एकड के दर से मिट्टी में मिला दें। उर्वरक हेतु 60 : 32 : 48 : 10 किलोग्राम एन पी के एस प्रति एकड़ के दर से व्यवहार करें। नेत्रजन की आधी मात्रा तथा फासफोरस, पोटाष एवम् सल्फर की पूरी मात्रा बुआइे के समय दें। बुआई पूर्व आलू बीज को मेटालेक्सिल या रिडोमील एम जेड 1.5 मिलीलीटर प्रति एकड़ के दर से 1 धंटा उपचारित कर हीं बुआई करें। 25–30 ग्राम वजन प्रति आलू बीज के दर से 12 किंवटल आलू बीज की आवश्यकता होती है।

मकई : कहीं–कही बाली के मूछों पर लाल चिट्टीयों का प्रकोप देखा जा रहा है अतः मिथइल पाराथीयन आधा ग्राम प्रत्येक बाली के मूछों पर सुबह के वक्त दें। इस अवस्था में नमी की कमी एवम् जल का जमाव नहीं होने दे। जिन किसान भाईयों के बाली में दाने बनने लगे हों, तो इस अवस्था में नमी की कमी न होंने दें एवम् पक्षियों से बचाव करें। जिन किसान भाईयों के मकई बुआई के 30 दिनों के हो गये हों, तो निकाई–गुड़ाई कर 25 किलोग्राम यूरिया प्रति एकड़ के दर से भुरकाव करे एवम् मिट्टी चढ़ा दें। जिन किसान भाईयों के मकई बुआई के 15 दिनों हों गये हो, तो इस मौसम में तना छेदक कीटों का प्रकोप होने की सम्भावना रहती है अतः इस अवस्था में पौधों की गाभा में कारबोफुरान 3 जी, या फोरेट 10 जी, का 6–8 दानों को डालें। अधिक लाभ प्राप्ति हेतु मकई + लोबिया या मकई + उड़द लें।

अरहर : जो किसान भाई अरहर की बुआई सितम्बर माह में करना चाहते हैं, वे बीज की व्यवस्था कर लें। समय पर बुआई किये गए फसल अभी क्रियाशील शाकीय वृद्धि अवस्था में है। पत्ते खाने वाले कीटों का प्रकोप देखा जा रहा है, बचाव हेतु मोनोक्रोटोफास 1 मिलीलीटर + टिपोल 0.5 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी मे मश्रित घोल बनाकर छिड़काव करें।

दलहन(उडद/मूंग) : पुष्प बनने की अवस्था से पहले निकाई–गुड़ाई कर लें। जिन स्थानों मे वर्षा की मात्रा कम एवम् होने की अंतराल ज्यादा हो, तो नमी में ह्रास के कारण मृदा का तापमान में बढोतरी होने सें मृदा में कीटों (दीमक) की प्रबलता बढ़ने की सम्भावना बहुत अधिक रहती है। अतः नमी की कमी न होने दें। अतः दीमक के प्रकोप से बचने के लिए 10 किलाग्राम प्रति एकड़ लिंनडेन धूल या नीम या करंज खल्ली धूल 2–3 क्विंटल या प्रति एकड़ के दर से व्यवहार करें। पानी की निकासी हेतु नाली का निर्माण कर लें।

तेलहन(मूँगफली): मूंगफली में लीफ माइनर के प्रकोप को कम करने हेतु मोनोक्रोटोफॉस 36 एस एल या ट्राइजोफॉस 40 इ सी का 1 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी के दर से दो बार 15 दिनों के अंतराल पर करें। टिक्का बीमारी मूंगफली में अभी के मौसम में प्रकोप बढ़ता हुआ देखा जा रहा है। अतः साफ या सिक्सर फफूँदनाषी दवा का 2 ग्राम एवम् 0.5 मिलीलीटर टीपोल प्रति लीटर पानी में मिलाकर बारिष के उपरान्त छिड़काव करें।

सब्जियॉं : बैंगन, फुलगोभी, बंधागोभी के बीचड़े तैयार करने का उप्युक्त समय है। तैयार बीचड़े में कीटों का प्रकोप होने पर जैविक कीटनाशी बायोलेप या डायपेल 1ग्राम प्रंत लीटर पानी में घोल बना कर छिड़काव करें। बैंगन, भिन्डी में लाल मकड़ी, लौकी में लाल भृंग कम नमी एवम् तापमान में वृद्धि होने से प्रकोप बढ़ गई है अतः बचाव हेतु डायकोफाल 2.5 मिलीलीटर तथा फोलीडाल धूल 5–10 ग्राम प्रति थल्ला मिट्टी में मिलायें या इन्डोसल्फान 4 प्रतिषत् धूल 10 किलोग्राम प्रति एकड़ की दर से छिड़काव करें।आवश्यकता होने पर क्लोरपारीफॉस 1 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी में घोल बना कर छिड़काव करें।

पशुपालन के लिए सलाह :–

उपलब्ध स्रोतों का अधिक से अधिक उपयोग करें (बकरियों के लिये) जैसे : बरगद, पीपल, गुलर, शिश्म, बाँस, सहतूत, सुबबूल इत्यादि पत्तियाँ।

- किचन परित्यक्त वस्तुओं को सुखे चारे के साथ मिला कर उपयोग करें।
- बाजार में उपलब्ध मिन्रल एवम् विटामिनों का जानवरों को भोजन के अलावा इस्तमाल करें।
- घर में उपयोग होने वाले नमक 10 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से धोल तैयार कर प्रति 100 किलोग्राम फसल अवशिष्टों के ऊपर छिड़काव कर कुछ देर के लिए धूप में खुला छोड़ें। तैयार किये गये फसल अवष्टिों को 3–4 किलोग्राम के दर से प्रति दिन प्रति पशुओं को दें।
- बाजार में उपलब्ध मिन्रल एवम् विटामिनों का जानवरों को भोजन के अलावा इस्तमाल करें।
- मुर्गियों में रानीखेत रोग से बचाव हेतु टीकाकरण, समस्त धरेलु पशुओं में अंतः परजीवी नियंत्रण के उपाय पशु चिकित्सक के देखरेख में अवश्य अपनायें।मुर्गियों में रानीखेत रोग से बचाव हेतु टीकाकरण, समस्त धरेलु पशुओं में अंतः परजीवी नियंत्रण के उपाय पशु चिकित्सक के देखरेख में अवश्य अपनायें।
- पशुओं को कृमी निरोधक दवा का सेवन कराने हेतु निम्न सुझाव (पशुचिकित्षक के देखरेख में) :

पारासाइट के प्रकार		दवा का नाम	मात्रा/कि०ग्रा० शरीर वजन	देने का तरीका	टिप्पणी
राउंड वार्म	1.	फेनबैन्डाजोल/एलबेन्डाजोल	75 मि०ग्रा०/10 कि०ग्रा०	मुँह से	प्रथम डोज जन्म के 5–6 दिनों के अंदर
	2.	इबरमैक्टिन	1 मि०ली०/33 कि०ग्रा० शरीर भार	चमड़ा के नीचे	फिर 45 दिनों के अंतराल पर
फ्लैट वार्म(फ्लूक)	3.	डिस्टोडिन	1–2 टैब्लेट		आवश्यकतानुसार
	4.	जेन्टिन	30 मि०ली०/100 कि०ग्रा०		
	5.	एलबेन्डाजोल	75 मि०ग्रा०/10 कि०ग्रा०		
	6.	इबरमैक्टिन	2 सी सी/100 कि०ग्रा०	गर्दन के चमड़ा पर	
टेप वार्म	7.	टेनिल	10–12 ग्रा०/जानवर	मुँह से	20 दिनों के अंतराल पर
	8.	वोपेल	15 ग्रा०/जानवर		
	9.	इबरमैक्टिन	1 मि०ली०/33 कि०ग्रा० शरीर भार	चमड़ा के नीचे	

बिरसा कृषि विश्वविद्यालय,कॉके, राँची

बिनोद कुमार
तकनिकी पदाधिकारी

ए० वदूद
नोडल आफिसर